संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 194
पृष्ठ 8
शनिवार
05 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दाहिने हाथ में खुजली होने का क्या...
विचार- नया वक्फ कानून: ध्रुवीकरण है मकसद
खेल- 23.75 करोड़ मिलने का मतलब...

बैंकॉक में मो. यूनुस को पीएम मोदी की खरी-खरी, बोले-

हिंदुओं पर हमले बर्दाश्त नहीं

बैंकॉक/नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आखिरकार बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से द्विपक्षीय मुलाकात कर ली लेकिन भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तनाव बरकरार है। हम आपको बता दें कि पिछले साल अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है। दोनों नेताओं ने बहु–क्षेत्रीय और तकनीकी सहयोग के लिए बिम्सटेक समूह के नेताओं की शिखर बैठक से इतर यह मुलाकात की। बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद थे। इस मुलाकात के बारे में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया है। मिसरी

ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मुहम्मद यूनुस के साथ चर्चा के दौरान बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने यह भी आग्रह किया कि माहौल को खराब करने वाली किसी भी बयानबाजी से बचना चाहिए। उन्होंने सीमा पर कानून का सख्त पालन करने और अवैध सीमा पार करने की घटनाओं की रोकथाम के लिए सीमा सुरक्षा को सख्त बनाने पर भी बल दिया। साथ ही प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भारत की चिंताओं को भी रेखांकित किया। हम आपको बता दें कि बांग्लादेश बिम्सटेक समूह का आगामी अध्यक्ष है। पिछले साल अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ देने के बाद भारत–बांग्लादेश संबंधों में खटास आ गयी थी। यह खटास तब और बढ़ गयी थी जब पिछले

● माहौल को खराब करने वाली बयानबाजी से बचें

सप्ताह चीन की यात्रा के दौरान यूनुस ने बीजिंग से बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने को कहा और विवादास्पद रूप से इस बात का उल्लेख किया था कि इस संबंध में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का चारों ओर जमीन से घिरा होना एक अवसर साबित हो सकता है। हम आपको याद दिला दें कि यूनुस ने कहा था, ''भारत के सात पूर्वोत्तर राज्य चारों ओर से जमीन से घिरे क्षेत्र हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है।'' बांग्लादेश को इस क्षेत्र में ''महासागर का एकमात्र संरक्षक'' बताते हुए यूनुस ने कहा था कि यह एक बड़ा अवसर हो सकता है और चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार किया जा सकता है। भारत ने इस टिप्पणी की निंदा की थी और बांग्लादेश के अधिकारियों ने यूनुस के बयान पर स्पष्टीकरण जारी किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालांकि यूनुस के बयान पर कोई सीधी टिप्पणी तो नहीं की थी लेकिन बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड रवाना होने से पहले जारी किये गये अपने बयान में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार को जवाब देते हुए कहा था कि अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र बिम्सटेक के केंद्र में स्थित है। उन्होंने अपने बयान में पूर्वोत्तर राज्यों की प्रधानता को रेखांकित किया था। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस बिम्सटेक समूह के नेताओं के लिए आयोजित रात्रिभोज में भी एक साथ बैठे नजर आये।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लॉन्च की 6500 करोड़ की आवासीय योजना

● बुक कराइए जमीन, पंजीकरण शुरू, योजना का ग्रिड पैटर्न पर हुआ विकास

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ विकास प्राधिकरण की अनंत नगर आवासीय योजना लॉन्च कर दी। इस योजना की लागत 6500 करोड़ रुपये है जो कि 785 एकड़ में प्रस्तावित है। शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर कार्यक्रम में उन्होंने योजना को हरी झंडी दिखाई। मोहान रोड स्थित इस योजना में भूखण्डों के लिए पंजीकरण का शुभारंभ हो गया। अनंत नगर नाम से लॉन्च हुई एलडीए की मोहान रोड योजना में कुल आठ सेक्टर होंगे। इनके नाम तय हो गए हैं। इसमें आकाश खंड, आदित्य खंड, आलोक खंड, आदर्श खंड, आशीष खंड, आमोद खंड,

आलेख खंड और आभास खंड होंगे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि चंडीगढ़ के पंचकुला की तरह मोहान रोड योजना का विकास ग्रिड पैटर्न पर किया जाएगा। योजना कलिया खेड़ा और प्यारेपुर गांव की 785 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित की जा रही है।प्रत्येक सेक्टर में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सेक्टोरल शॉपिंग सेंटर, बरात घर और वेंडिंग जोन का प्रावधान किया जाएगा। योजना में पांच श्रेणी के आवासीय भूखंड नियोजित किए जाएंगे। इसमें 112.50 वर्गमीटर, 162 वर्गमीटर, 200 वर्गमीटर, 288 वर्गमीटर व 450 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंड हैं। ग्रुप हाउसिंग के बड़े भूखंड नियोजित किए जाएंगे। 102 एकड़ के विशाल क्षेत्रफल में एजुकेशन सिटी विकसित की जाएगी। जमीन की कीमत 41150 रुपये प्रति वर्ग मीटर तय की गई है। पंजीकरण ऑनलाइन एलडीए पोर्टल सकं. पद पर होगा। पंजीकरण शुल्क 1100 रुपये तय किया गया है। पंजीकरण एक महीने तक चलेगा। अभी 344 प्लाटों का पंजीकरण खोला जा रहा है।

कांग्रेस को मंजूर नहीं वक्फ संशोधन बिल, सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि वह जल्द ही वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक पोस्ट में विधेयक के पारित होने को भारतीय संविधान पर नरेंद्र मोदी सरकार का हमलाकरार दिया और कहा कि उनकी पार्टी इसका विरोध जारी रखेगी। उन्होंने लिखा, कांग्रेस द्वारा सीएए, 2019 को चुनौती देने पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। कांग्रेस द्वारा आरटीआई अधिनियम, 2005 में 2019 के संशोधनों

को चुनौती देने पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि चुनाव संचालन नियम (2024) में संशोधनों की वैधता को लेकर कांग्रेस द्वारा चुनौती पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। पूजा स्थल अधिनियम, 1991 की मूल भावना को बनाए रखने के लिए कांग्रेस द्वारा हस्तक्षेप पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। रमेश ने लिखा, ष्कांग्रेस बहुत जल्द ही वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 की संवैधानिकता को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी।ष उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है और हम भारत के संविधान में निहित सिद्धांतों, प्रावधानों और प्रथाओं पर मोदी सरकार के सभी हमलों का विरोध करना जारी रखेंगे। संसद ने शुक्रवार की सुबह वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी। इससे पहले 13 घंटे से अधिक समय तक चली बहस के बाद राज्यसभा ने इस विवादास्पद विधेयक को मंजूरी दे दी थी। चर्चा में विपक्षी दलों की ओर से कड़ी आपत्ति जताई गई। विपक्षी दलों ने विधेयक को मुस्लिम विरोधी और असंवैधानिक करार दिया। सरकार ने जवाब दिया कि ष्ऐतिहासिक सुधारष से अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ होगा। विधेयक को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने पक्ष में और 95 ने विरोध में वोट दिया। गुरुवार की सुबह इसे लोकसभा में पारित किया गया। इसमें 288 सदस्यों ने इसका समर्थन किया और 232 ने इसका विरोध किया। संसद ने मुस्लिम वक्फ (निरसन) विधेयक, 2025 को भी मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने भी विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी है। लोकसभा पहले ही विधेयक को अपनी मंजूरी दे चुकी है। विपक्षी भारतीय ब्लॉक दलों ने विधेयक का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ष्असंवैधानिकष है और इसका उद्देश्य मुसलमानों को निशाना बनाना है।

पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग ने जानबूझकर खामियों को छुपाया : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) की आलोचना करते हुए कहा कि उसने सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों व कर्मचारियों की नियुक्ति में खामियों तथा अवैधताओं को जानबूझकर छिपाया। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द करने से संबंधित अपने फैसले में यह तीखी टिप्पणी की। फैसला सुनाते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि तथ्यात्मक पृष्ठभूमि और अनियमितताओं की ओर इशारा करने वाले विश्वसनीय साक्ष्यों के बावजूद ''डब्ल्यूबीएसएससी ने शुरू में खामियों और अवैधताओं को छिपाने की कोशिश की।''

विपक्षी सांसदों का विरोध प्रदर्शन, कांग्रेस बोली-

यह भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत पर अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार के सामने विरोध प्रदर्शन किया। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि देखिए, अब क्या हुआ है। अमेरिका ने हम पर टैरिफ लगा दिया है। (भारत और अमेरिका के बीच) दोस्ती थी, लेकिन देखिए अब क्या हुआ है। कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा, प्रधानमंत्री को सदन में आना चाहिए और टैरिफ के मुद्दे पर जवाब देना चाहिए। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कल भी हमने सदन में इस मुद्दे को उठाया था। विपक्ष के नेता ने भी इसे उठाया था। यह भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा हमला होगा। हम इस पर सरकार से जवाब मांग रहे हैं, लेकिन सरकार संसद बंद करके भाग रही है। वित्त मंत्री जवाब नहीं दे रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत

जवाबी शुल्क (टैरिफ) लगाये जाने का मुद्दा बृहस्पतिवार को लोकसभा में उठाया और सरकार से सवाल किया कि इसे लेकर वह क्या करने जा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने सदन में शून्यकाल के दौरान, चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण करने का दावा करते हुए यह भी कहा कि इस पड़ोसी देश के साथ संबंध सामान्य होने चाहिए, लेकिन उससे पहले सीमा पर पूर्व की स्थिति बहाल होनी चाहिए और भारत की भूमि लौटाई जानी चाहिए। राहुल ने कहा, ''हमारे साझेदार देश (अमेरिका) ने 26 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है जो हमारी अर्थव्यवस्था को तबाह कर देगा, हमारा ऑटो उद्योग, दवा उद्योग और कृषि सभी कतार में हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि वह क्या करने जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत का 'रियायती जवाबी शुल्क' लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस के रोज गार्डन से विभिन्न देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा करते हुए कहा था, ''भारत हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, इसलिए हम उनसे इसका आधा, 26 प्रतिशत शुल्क लेंगे।''

अभिनेता मनोज कुमार का निधन

मुंबई, एजेंसी। दिग्गज भारतीय फिल्म अभिनेता मनोज कुमार का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। वह कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी

अस्पताल में भर्ती थे एवं उन्हें लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां थी। श्री मनोज कुमार के बेटे कुणाल गोस्वामी ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। फिल्म निर्देशक मनोज कुमार को देशभक्ति फिल्मों के लिए जाना जाता था। उनके निधन पर फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया है। श्री मनोज कुमार को फिल्म उद्योग में उनके योगदान पर 1992 में पद्म श्री एवं 2015 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

शाह ने वक्फ संशोधन विधेयक को संसद की मंजूरी की सराहना की, कहा वर्षों से जारी अन्याय खत्म होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दिए जाने से वर्षों से जारी अन्याय और भ्रष्टाचार समाप्त होगा तथा न्याय और समानता के युग का आरंभ होगा। शाह की यह टिप्पणी राज्यसभा द्वारा विधेयक को मंजूरी दिए जाने के कुछ समय बाद आई। लोकसभा

अमित शाह

ने बृहस्पतिवार को विधेयक को मंजूरी दी थी। उन्होंने सोशल मडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आज एक ऐतिहासिक दिन है, जब संसद ने 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025' को स्वीकृति देकर वर्षों से जारी अन्याय और भ्रष्टाचार के युग का अंत किया है और न्याय व समानता के युग की शुरुआत की है।'' गृह मंत्री ने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्ति अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और न्यायसंगत होने वाली हैं। इससे निश्चित ही मुस्लिम समुदाय के गरीबों, महिलाओं और बच्चों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, ''करोड़ों लोगों को न्याय देने वाले इस महत्त्वपूर्ण विधेयक के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू को बधाई देता हूं। साथ ही, इसका समर्थन करने वाले सभी दलों व सांसदों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

सोनिया गांधी की टिप्पणी को लेकर भड़की बीजेपी, लोकसभा में हंगामा, ओम बिरला ने भी कही बड़ी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 के खिलाफ टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के जोरदार विरोध के बाद शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही विपक्षी सदस्यों ने भी नारे लगाए और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर हाल ही में लगाए गए टैरिफ के संबंध में सरकार से जवाब मांगा। संसद के दोनों सदनों में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हो गया, हालांकि

अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। सदस्यों ने सोनिया गांधी माफ़ी मांगो जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा था कि भाजपा देश में ध्रुवीकरण कर रही है और वक्फ (संशोधन विधेयक) संविधान पर एक खुला हमला है। हंगामे के जवाब में विपक्ष ने दावा किया कि यह "असंवैधानिक" है और इससे देश की शांति और सद्भावना भंग होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के दौरान संसदीय प्रक्रियाओं पर सवाल उठाने के लिए सोनिया गांधी की आलोचना की।

लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, आखिरी दिन भी हुआ हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण खत्म हो गया है और दोनों ही सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के आखिरी समय के कामकाज अपने आप में ऐतिहासिक रहे। दोनों सदनों में वक़्फ़ बिल को लेकर देर रात तक चर्चा की गई और उसे पारित किया गया जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड है। वक़्फ़ बिल में पुराना रिकॉर्ड 1981 में 16 घंटे 51 मिनट आजमा अधिनियम पर रिकॉर्ड चर्चा की गई थी द्य और राज्य सभा में कल 17 घंटे 2 मिनट तक चर्चा की गई। जो एक एक रिकॉर्ड बन गया। संसद का बजट सत्र दो भागों में आयोजित किया गया; यह 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी तक चला। संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 10

मार्च को शुरू हुआ और 4 अप्रैल को समाप्त हो गया। बजट सत्र के अंतिम दिन की कार्यवाही शुरू होते ही लोकसभा में विपक्षी दलों की ओर से नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। वहीं, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी द्वारा सरकार के खिलाफ की गई टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के सदस्यों के जोरदार विरोध के बीच लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा देखने को मिला। आज जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो भाजपा सांसदों ने ष्सोनिया गांधी माफ़ी मांगोष के नारे लगाए। राज्यसभा में बजट सत्र के आखिरी दिन,शुक्रवार को दो सदस्यों वीरेंद्र प्रसाद वैश्य तथा मिशन रंजन दास को विदायी दी गई जिनका कार्यकाल जून में समाप्त होने जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित करते हुए कहा कि बजट सत्र के दौरान वक्फ (संशोधन) विधेयक सहित कुल 16 विधेयक पारित किये गए। बिरला ने कहा कि सदन में केंद्रीय बजट पर चर्चा में 169 सदस्यों ने भाग लिया, वहीं सत्र के दौरान 10 सरकारी विधेयक पुररूस्थापित किये गए और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 सहित कुल 16 विधेयक पारित किये गए। उन्होंने कहा कि यह सत्र 31 जनवरी, 2025 को आयोजित किया गया था। इस दौरान कुल 26 बैठकें हुईं और संसदीय उत्पादकता 118ः से अधिक रही। बजट सत्र के दौरान, लोकसभा द्वारा विभिन्न मंत्रालयों के लिए अनुदान की मांगों के साथ–साथ वित्त विधेयक को मंजूरी दिए जाने के साथ सरकार ने बजटीय प्रक्रिया संपन्न कर ली। राष्ट्रपति शासन के अधीन मणिपुर के लिए भी बजट को सदन ने मंजूरी प्रदान की। राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गयी।

सैन्य अफसर की पत्नी बोलीं– चोरी नहीं... साजिशन हुई इंजीनियर की हत्या, एसआईटी करे जांच

प्रयागराज। वायु सेना के मध्य वायु कमान कैंपस के भीतर हाई सिक्योरिटी जोन में घुसपैठ करके कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्रा की हत्या के खुलासे पर परिजनों ने सवाल खड़े किए हैं। सैन्य आफिसर की पत्नी वत्सला मिश्रा ने कहा कि उनके पति की हत्या साजिश के तहत की गई है। उन्होंने इसकी स्वतंत्र एजेंसी या एसआईटी से जांच कराने की मांग की है। चोरी करते पकड़े जाने पर हत्या की बात को उन्होंने मनगढ़ंत बताया है। हत्या के पीछे गहरी साजिश है। मध्य वायु कमान कैंपस के भीतर कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्रा की चोरी के लिए हत्या के पुलिसिया खुलासे पर पत्नी वत्सला मिश्रा ने सवाल उठाते हुए साजिशन वारदात बताया है। उन्होंने इसकी स्वतंत्र एजेंसी या एसआईटी से जांच कराने की मांग की है।

कमांडर वर्क इंजीनियर की पत्नी वत्सला मिश्रा ने मीडिया को जारी बयान में कहा है कि

वायु सेना स्टेशन बमरौली के आधिकारिक आवास में 29 मार्च की सुबह लगभग 3रू15 बजे उनके पति की हत्या कर दी गई, जबकि यह अत्यधिक सुरक्षित सैन्य क्षेत्र का हिस्सा है। इससे पहले 14 मार्च की रात भी घुसपैठ की कोशिश की गई थी। इसके बाद उनके पति ने वायु सेना के अधिकारियों को सतर्क करते हुए अपनी सुरक्षा की चिंता जताई थी। औपचारिक रूप से सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध भी किया था।

पूर्व प्लानिंग के तहत वारदात को दिया गया अंजाम

पत्नी के मुताबिक, वायु सेना के अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि प्रकरण को आंतरिक रूप से संभाला जाएगा और परिसर की सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा। उन्हीं की सलाह पर एफआईआर भी नहीं लिखाई थी। दुखद रूप से 29 मार्च की सुबह दोबारा घुसपैठ हुई। आरोपी ने दरवाजे की घंटी बजाई, दरवाजा काटने की कोशिश की और फिर पूर्व प्लानिंग के अनुसार खुद खिड़की के पास खड़ा हो गया। यह दर्शाता है कि हत्यारोपी को उनके पति की दिनचर्या का पता था। यह संभवतः पिछली बार पता की गई थी। पति जैसे ही बाहर जाने लगे, उन्हें खिड़की से गोली मार दी गई।

पत्नी के मुताबिक, सबसे अधिक परेशान करने वाली बात यह है कि हत्या के बाद हमलावर किले बंद सैन्य अड्डे के अंदर से बिना किसी डर या जल्दबाजी के आराम से गया। हमलावर की हरकतें चोरी या डकैती के इरादे को नहीं दर्शातीं। यह पूर्व नियोजित हत्या का संकेत देती हैं। इस खुलासे की दोबारा जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या विशेष रूप से गठित टीम से कराई जाए।

इंजीनियर के परिजनों ने अभी तक नहीं की बातरू डीसीपी

डीसीपी नगर अभिषेक भारती का कहना है कि परिवारवालों ने अब तक इस संबंध में उनसे कोई बात नहीं की है। इसके पहले, अपर पुलिस आयुक्त (अपराध) डॉ. अजयपाल शर्मा ने बताया था कि इंजीनियर की हत्या का मुख्य आरोपी सौरभ कुमार उर्फ बाबू पासी है। इसमें वायु सेना अफसरों के यहां घरेलू काम करने वाली उसकी मां सुनीता और संविदा सफाई कर्मी उसके पिता शिवकुमार भी साजिशन शामिल हैं। तीनों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का दावा है कि कौशाम्बी जेल में बंद भाई हनी उर्फ गौतम को छुड़ाने के लिए सौरभ ने 29 मार्च की भोर में अफसर के घर पहुंचकर भीतर घुसने का प्रयास किया। नाकाम रहने पर गोली मारकर उनकी हत्या करके भाग निकला।

मौसम ने ली करवट, बदला मिजाज

प्रयागराज। कई दिनों से बादलों की लुकाछिपी के बीच शुक्रवार की सुबह मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। गर्मी की मार झेल रहे शहर वासियों को सुबह दस बजे के बाद हल्की बारिश होने से थोड़ी राहत मिली तो किसानों के चेहरे पर शिकन देखी जाने लगी। बारिश की वजह से चार से पांच डिग्री तापमान में कमी आ गई। ऐसा पश्चिमी विक्षोभ की वजह से हुआ। विशेषज्ञों की मानें तो एक दो दिन तक मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या किसानों के खड़ी हो गई। इस समय खेतों में गेहूं की फसल पक चुकी है, अगर बारिश तेज होती है तो फसल को नुकसान पहुंच सकता है।

खेत में सिंचाई को लेकर युवक से की मारपीट एफआईआर

प्रयागराज। एयरपोर्ट इलाके में युवक खेत की सिंचाई कर रहा था। इस दौरान युवक के बड़े भाई ने खेत की सिंचाई को लेकर मना किया। इसका विरोध करने पर युवक की पिटाई कर दी गई। पीड़ित ने आरोपित के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। एयरपोर्ट के बिसौना गांव के निवासी जहीर अब्बास ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पीड़ित खेत की सिंचाई कर रहा था। आरोप है कि पीड़ित भाई शोयब अब्बास रिजवी उर्फ शेबू ने खेत में सिंचाई करने से मना किया। जब पीड़ित ने सिंचाई न करने की बात पूछी तो आरोपित ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। एयपोर्ट पुलिस तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में घायल की अस्पताल में मौत

प्रयागराज। सड़क हादसे में घायल की एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक पप्पू के भाई सीतापुर निवासी सागर ने दारागंज थाने में अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। तहरीर के अनुसार, सागर व उसका भाई 44 वर्षीय पप्पू प्रयागराज में मजदूरी करते थे। दोनों 29 मार्च को ई–आटो में बैठकर रेरुआ बाजार नवाबगंज से संगम की ओर जा रहे थे। रास्ते में परेड ग्राउंड चौराहे के समीप राजस्थान का नंबर प्लेट लगी तेज रफ्तार कार ने ई–आटो में टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल पप्पू को एसआरएन अस्पताल भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान पप्पू की मौत हो गई। पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार चालक की तलाश में जुटी है।

एडीजी जोन ने जनसंपर्क अधिकारी को किया सम्मानित

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के सफल समापन के पश्चात एडीजी जोन भानु भास्कर ने महाकुम्भ मेले में उत्कृष्ट और

सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस क्रम में जोन कार्यालय प्रयागराज में नियुक्त जनसंपर्क अधिकारी निरीक्षक रविभूषण श्रीवास्तव को महाकुम्भ मेला प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें मेले के दौरान जनसंपर्क और सूचना के क्षेत्र में उनके प्रभावी, संवेदनशील और समर्पित कार्य के लिए दिया गया। इससे पूर्व महाकुम्भ में तैनात सभी अफसरों को एडीजी ने सम्मानित किया था।

मुक्त विवि में वीडियो सामग्री विकसित करने को कार्यशाला

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन की ओर से स्वयंप्रभा के लिए वीडियो सामग्री विकसित करने पर दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में स्वयंप्रभा का अहम योगदान है क्योंकि इसके जरिए सुदूरवर्ती शिक्षार्थियों तक हम अपनी पहुंच आसान बना सकते हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए रिसोर्स पर्सन एवं मुख्य वक्ता डॉ. निराधर डे ने स्वयंप्रभा के लिए वीडियो निर्माण के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। स्वयंप्रभा के नोडल अधिकारी प्रो. एके मलिक ने स्वागत किया। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने किया।

गर्मी के मौसम के साथ बढ़ी अगलगी, रोकथाम को तीन जगह खुले अस्थायी फायर स्टेशन

प्रयागराज। गर्मी का मौसम शुरू होने के साथ ही अगलगी की घटनाओं में इजाफा होने लगा है। दो दिन पहले करेली में आग लगने से आठ रिहायशी मड़ई जलकर राख हो गई थी। वहीं ग्रामीण अंचल में भी रोजाना आग लगने की घटनाएं सामने आ रही है। इसे देखते हुए अग्निशमन विभाग ने तीन स्थानों पर अस्थायी फायर स्टेशन की स्थापना किया है। ताकि आग लगने पर त्वरित रोकथाम की पहल की जा सके। सीएफओ डॉ आरके पांडेय ने बताया कि मुंडरा मंडी के अलावा झूंसी व करछना थाने में अस्थायी फायर स्टेशन बनाया गया है। यहां चौबीस घंटे फायर टेंडर के साथ ही चार–चार कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अस्थायी फायर स्टेशन आगामी 30 जून तक संचालित होंगे। हालांकि मौसम और हालात को देखते हुए तिथि में इजाफा भी किया जा सकता है। सीएफओ ने सभी केंद्रों के प्रभारियों व कर्मचारियों को सक्रिय रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि विभाग का पहले से दस स्थानों पर स्थायी फायर स्टेशन स्थापित हैं। इसमें सिविल लाइंस, हाईकोर्ट, नैनी, सोरांव, हंडिया, मेजा, बारा, फूलपुर व कोरांव शामिल हैं।

गर्मी में लापरवाही करने से बचेः सीएफओ डॉ आरके पांडेय ने बताया कि गर्मी के मौसम में थोड़ी सी भी लापरवाही की वजह से आग लगने का खतरा अधिक रहता है। घरों में बिजली की ओवरलोड बढ़ने से शार्ट सर्किट की वजह से आग लगती है। ऐसे में लोग अपने घरों की पुरानी वायरिंग की जांच जरूर करा लें। उन्होंने ग्रामीण अंचल में गेहूं की कटाई के बाद पराली नहीं जलाने की भी अपील की है। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से जल्द ही जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

प्रोफेसर फात्मी बोलेः जिस जगह बने थे मकान, वह फ्री होल्ड हो तभी करेंगे दोबारा निर्माण, हमें अतीक से क्या लेना

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय उर्दू विभाग के विभागाध्यक्ष रहे प्रोफेसर अली अहमद फात्मी ने अतीक से जोड़कर उनका मकान गिराए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कहा कि उनका अतीक से क्या लेना देना है। उन्होंने न्याय देने के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार जताया है। कहा कि जमीन को फ्री होल्ड करने पर ही वह फिर से मकान का निर्माण कराएंगे।

साहित्यकार प्रो. अली अहमद फातमी समेत आठ लोगों के भवनों को ध्वस्त करने से खाली हुई जमीन फ्री होल्ड होने पर ही पीड़ित वहां फिर मकान बनवाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों ही पांच पीड़ितों को 10–10 लाख का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। जिनके मकान ध्वस्त हुए, उनमें राजीव, शाहिद और राना की मौत हो चुकी है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के अध्यक्ष रहे साहित्यकार प्रो. अली अहमद फातमी, उनकी बेटी नायला फातमी, शहनाज, मेमुना, जुल्फीकार अहमद, राजीव खखंदा, शाहिद, राना फातमी सहित आठ घरों को ध्वस्त कर दिया था। इसके खिलाफ प्रो. फातमी, जुल्फिकार अहमद, नायला, शहनाज, मेमुना सहित पांच लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में दस्तक दी थी।

कोर्ट ने छह हफ्ते के अंदर 10–10 लाख मुआवजा देने का निर्देश दिया है। आठ मकान ध्वस्त कराए गए थे, उसका मलबा वहीं पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने समुचित प्रक्रिया का पालन किए बगैर बुलडोजर चलाने को असंवैधानिक और अमानवीय कार्रवाई बताया था।

प्रो. फातमी ने कहा, हम सुप्रीम कोर्ट के शुक्रगुजार हैं कि उनकी फरियाद सुनी। अब प्रशासन अगर भूखंड फ्री होल्ड करता है तो ही वहां घर बनाएंगे। लीज पर दोबारा भूमि नहीं लूंगा। सवाल किया कि राजापुर और सिविल लाइन भी नजूल भूमि पर है, यहां कार्रवाई क्यों नहीं की गई। आठ लोगों के मकान पीडीए ने गिराए।

अतीक से क्या लेना–देनाः प्रो. फातमी

प्रो. फातमी ने अतीक से संबंध जोड़ने पर कड़ा प्रतिवाद किया। बताया, वर्ष 1988 में महमूदा बेगम से प्लॉट की रजिस्ट्री कराई थी। बेटी नायला फातमी के लिए भी पड़ोस में प्लॉट लेकर घर बनवाया था। नजूल भूमि के पट्टे की सीमा 1999 में खत्म होने से पहले ही नवीनीकरण के लिए पैसा जमा कर दिया था। लेकिन, नवीनीकरण नहीं किया गया। हमें बेवजह अतीक से जोड़ कर 32 वर्षों की कमाई रेत की तरह पीडीए ने ध्वस्त कर दी। कहा, जीवनभर छात्रों को पढ़ाया, समाज की सेवा की। हमें अतीक से क्या लेना।

इस मामले में जिला प्रशासन की कोई भूमिका नहीं है। हम पक्षकार भी नहीं हैं। यह मामला पीडीए से संबंधित है। वही निर्णय लेगा। – रविंद्र मांदड़, जिलाधिकारी

लूकरगंज में नोटिस देने के बाद ही नजूल भूमि से अवैध निर्माण हटाए गए थे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमें मान्य है। फैसले की कापी मिलने के बाद ही कुछ आगे बता सकूंगा। – अजीत कुमार सिंह, सचिव, पीडीए

छोटा राजन के गुर्गे राजेश यादव ने काश्तकार से मांगी 25 लाख की रंगदारी, रिपोर्ट दर्ज

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के कनिहार गांव में एक जमीन को लेकर अडंरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन के गुर्गे राजेश यादव पर काश्तकार से 25 लाख रुपये की रंगदारी और पिस्टल सटाकर जान से मारने की धमकी का मामला प्रकाश में आया है। थाना क्षेत्र के कनिहार गांव में एक जमीन को लेकर अडंरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन के गुर्गे राजेश यादव पर काश्तकार से 25 लाख रुपये की रंगदारी और पिस्टल सटाकर जान से मारने की धमकी का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने काश्तकार की तहरीर पर माफिया राजेश यादव और उसके साथियों के खिलाफ रंगदारी और जान से मारने

की धमकी समेत कई संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में छापेमारी भी शुरू कर दी है। पुलिस प्रकरण में गैंगस्टर एक्ट लगाने की तैयारी कर रही है। मेजा थाना क्षेत्र के कोईलहा बसहरा गांव निवासी अमर बहादुर ने कनिहार में पांच बिस्वा जमीनी खरीदी है। शिकायतकर्ता के मुताबिक 29 मार्च को वह अपने भाई श्यामलाल के साथ मौके पर जाकर साफ–सफाई करा रहे थे। तभी शाम करीब पांच बजे कई लोग पहुंचे और गालीगलौज करने लगे। उनमें माफिया राजेश यादव पुत्र स्व. डोडाराम यादव निवासी हवेलिया, थाना झूंसी, बृजेश यादव पुत्र स्व. संगरू यादव निवासी नैका–महीन, थाना झूंसी, धर्मवीर यादव उर्फ बच्चा, राजीव यादव उर्फ राजू ऑटो पार्ट्स, अलोपी बाग, राजेश यादव निवासी बदरा सोनौटी, थाना झूंसी आदि शामिल थे। सभी चहारदीवार के भीतर घुस गए और भाई के सीने व सिर पर पिस्टल सटा दिया। धमकाया कि या तो यह जमीन हम लोगों के नाम कर दो या 25 लाख रुपये दो। वरना, तुम्हारी जमीन कब्जा कर लेंगे। अगर बात नहीं मानोगे तो तुम्हे व तुम्हारे भाई को जान से मार देंगे। इसके बाद सभी वहां से चले गए। घटना की तहरीर पुलिस को दी गई तो बुधवार को माफिया राजेश यादव व उसके गुर्गों के खिलाफ रंगदारी, जान से मारने की धमकी समेत अन्य संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई।

माफिया राजेश यादव व उसके गुर्गों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। इसके साथ ही माफिया राजेश के खिलाफ पुलिस गैंगस्टर एक्ट लगाने की तैयारी कर रही है। –उपेंद्र प्रताप सिंह, एसओ झूंसी

समरसता की भूमि से निषादों के जरिये सीएम ने लगाया 2027 की सियासत का मास्टर स्ट्रोक

पूर्वी यूपी में पिछड़ा वोटबैंक को मजबूत करने की बिसात बिछाने लगी भाजपा

प्रयागराज। महाकुंभ की सफलता से उत्साहित भाजपा अब पूर्वी यूपी में पिछड़ा वोटबैंक को मजबूत करने की बिसात बिछाने लगी है। इसकी बानगी बृहस्पतिवार को शृंग्वेरपुर धाम में निषादराज की जयंती पर साफ दिखी।

महाकुंभ की सफलता से उत्साहित भाजपा अब पूर्वी यूपी में पिछड़ा वोटबैंक को मजबूत करने की बिसात बिछाने लगी है। इसकी बानगी बृहस्पतिवार को शृंग्वेरपुर धाम में निषादराज की जयंती पर साफ दिखी। यूपी में यादव, कुर्मी के बाद तीसरे सबसे बड़े पिछड़ा वोट बैंक के रूप में निषाद, केवट, बिंद और मछुआरा समाज को भाजपा के साथ रोटी–बेटी के रिश्ते की तरह जोड़ने की कसमे खिलाई गईं।

जयंती पर सीएम योगी के आगे जिस तरह निषाद समाज के अलंबरदारों ने भाजपा के साथ कदमताल करने के कसमे–वादे किए, वह आने वाले वर्ष 2027 के यूपी के विधान सभा चुनाव के कील–कांटे अभी दुरुस्त करने का स्पष्ट संकेत दे रहे थे। मंत्री नरेंद्र कश्यप बार–बार सीएम योगी और पीएम मोदी को निषादों–नाविकों, मछुआरों का मसीहा तो बताते ही रहे, वह सीना ठोक कर दावा करते रहे कि अब निषाद कभी भी भाजपा को छोड़कर दूसरी जगह नहीं जाएंगे। इसके लिए निषाद समाज से कई बार हामी भी भरवाई गई।

वर्ष 2022 में भाजपा के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाली निषाद पार्टी ने प्रयागराज की कई सीटों पर टिकट के लिए दावा किया था। लेकिन, निषाद पार्टी ने प्रयागराज की तीन सीटों पर अपने चुनाव चिह्न पर प्रत्याशी उतारने का दावा किया ठोका था। इन सीटों में यमुनापार की करछना, बारा और गंगापार की हंडिया विधानसभा सीटें शामिल हैं। इसमें हंडिया में निषाद पार्टी ने कड़ी टक्कर तो दी, लेकिन सपा के हाकिम चंद्र बिंद यहां से जीत गए।

इसी तरह करछना सीट पर निषाद पार्टी के पीयूष रंजन निषाद ने सपा के दिग्गज नेता उज्ज्वल रमण सिंह को हरा कर यहां से खाता खोलने में सफलता हासिल की थी। अब एक बार फिर सियासी गोट निषाद पार्टी को लेकर भाजपा अभी से बिछाने लगी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने निषादराज की जयंती पर जहां लोकलुभावन वादों से इस पिछड़े वर्ग का दिल जीतने की कोशिश की, वहीं उन्होंने साफ कहा कि भाजपा ही शृंग्वेरपुर के विकास से सनातन का वैभव जाग रहा है। इससे भगवान राम और निषादराज की मित्रता और प्रगाढ़ होगी।

प्रयागराज में रचा एक नया इतिहास, एक साल में 10 लाख से ज्यादा यात्रियों ने किया एयरपोर्ट से सफर

प्रयागराज। प्रयागराज एयरपोर्ट ने एक नया इतिहास रच दिया है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में पहली बार इस एयरपोर्ट से 10.88 लाख यात्रियों ने सफर किया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस उपलब्धि के साथ प्रयागराज, लखनऊ और वाराणसी के बाद प्रदेश का तीसरा ऐसा एयरपोर्ट बन गया है, जहां एक वित्तीय वर्ष में 10 लाख से अधिक यात्रियों ने हवाई यात्रा की है। खास बात यह है कि प्रयागराज एयरपोर्ट से केवल घरेलू उड़ानें संचालित होती हैं, फिर भी इसने यह मुकाम हासिल किया है। लखनऊ और वाराणसी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। यहां पर यात्रियों की आवाजाही करीब 15 लाख है। महाकुम्भ इस

सफलता का मुख्य कारण रहा। जनवरी और फरवरी 2025 में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं ने एयरपोर्ट का उपयोग किया। अकेले फरवरी में 4.71 लाख यात्रियों का आवागमन दर्ज किया गया, जबकि जनवरी में यह आंकड़ा 1.23 लाख रहा। हालांकि महाकुम्भ खत्म होते ही विमानों की संख्या कम हो गई और मार्च में यात्रियों की संख्या घटकर 56027 रह गई। वर्ष 2024–25 में एयरपोर्ट पर विमानों की आवाजाही भी रिकॉर्ड स्तर पर रही। महाकुम्भ के दौरान करीब दो दर्जनों शहरों की हवाई कनेक्टिविटी शुरू हुई थी। विमानों की संख्या बढ़ती गई। इस दौरान एक साल 1 में कुल 10275 विमानों ने यहां लैंडिंग और टेकऑफ किया, जिसमें से लगभग 5500 उड़ानें महाकुम्भ के दौरान ही संचालित हुईं। मार्च में विमानों की संख्या घटकर 406 रह गई। विमानों की संख्या कम होने से यात्रियों की संख्या भी कम हो गई।

पी.आर.पब्लिक स्कूल में हवन- पूजन के साथ नए शैक्षिक सत्र का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर स पचेंडा रोड स्थित पी.आर.पब्लिक स्कूल में हवन और सरस्वती मां के पूजन के साथ नए सत्र का शुभारंभ किया गया, जिसमें विद्यालय प्रबंधक अशोक सिंघल विद्यालय निदेशक अनक सिंघल तथा समस्त शिक्षक गण और विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। हवन में आहुति डालते हुए अपने विद्यालय के नवीन शैक्षणिक सत्र की सफलता तथा छात्रों के उज्जवल भविष्य तथा विद्यालय की दिन दोगुनी रात चौगुनी

प्रगति की कामना की। विद्यालय प्रांगण वैदिक मंत्रों के उच्चारण से भक्ति मय हो उठा। विद्यालय के पहले दिन नई कक्षा में प्रवेश के साथ छात्र बड़े उत्साहित दिखाई दिए। स्कूल के प्रबंधक अशोक सिंघल ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती है बल्कि यह हमारे जीवन के हर पहलू में समाहित होती है। शिक्षा का असली उद्देश्य व्यक्ति को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है ताकि वह अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सके। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षा हमारे भविष्य का निर्माण करती है। स्कूल निदेशक अनघ सिंघल ने विद्यार्थियों से कहा कि एक छात्र के रूप में उनका सबसे बड़ा कर्तव्य है कि वे शिक्षा प्राप्त करें और उसे सही तरीके से अपने जीवन में लागू करें। पढ़ाई के साथ–साथ अनुशासन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अगर हम अनुशासन से दूर रहते हैं, तो शिक्षा का कोई भी मूल्य नहीं रहता है। अतः हम आशा करते हैं कि आप अनुशासित रहकर दृढ इच्छा के साथ नए शैक्षिक सत्र में शिक्षा प्राप्त करेंगे।

मोरना भोपा क्षेत्र में सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई शुक्रवार की नमाज

मोरना। वक्फ संशोधन बिल के लोकसभा व राज्यसभा मे पास हो जाने के बाद प्रशासन स्थिति पर कड़ी नजर बनाये हुए है।शुक्रवार को जुमा की नमाज के दौरान मुस्लिम समाज द्वारा विरोध की आशंका को लेकर मस्जिदों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया तथा पुलिस अधिकारी स्वयं मौके पर तैनात रहे। भोपा मोरना क्षेत्र शुक्रवार को जुमा की नमाज शान्ति पूर्वक अदा की गयी किसी भी विपरीत आशंका को लेकर मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। क्षेत्राधिकारी डॉ. रवि शंकर मिश्रा थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश रोरिया पुलिस बल के साथ मस्जिदों

के बाहर तैनात रहे। कस्बा भोकरहेड़ी मे दस मस्जिदों मे जुमा की नमाज शान्ति पूर्वक अदा की गयी इसके अलावा संवेदनशील माने जाने वाले गांव सीकरी मे नो मस्जिदों मे, मोरना मे दो मस्जिदों मे भोपा मे तीन मस्जिदों मे जुमा की नमाज शान्ति पूर्वक अदा की गयी,नमाज के दौरान मस्जिदों के बाहर भारी संख्या मे पुलिस बल तैनात रहा।वहीं रमजान के बाद मस्जिदों के बाहर पुलिस बल को तैनात देख नमाजी आपसी चर्चा करते नजर आये। क्षेत्राधिकारी डॉ. रवि शंकर मिश्रा ने बताया की शांति सुरक्षा को कायम व मजबूत करने के उद्देश्य से मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा शुक्रवार की नमाज शान्ति पूर्वक सम्पन्न हुई है। इस दौरान तहसीलदार जानसठ विपिन कुमार आदि मौजूद रहे। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव तेवडा, ककरौली, टंढ़ेडा, ढांसरी, कमहेड़ा, खेड़ीफिरोजाबाद आदि स्थानों पर जुमा की नमाज शान्ति पूर्वक अदा की गयी। थाना प्रभारी निरीक्षक जय सिंह भाटी ने बताया की शान्ति सुरक्षा को मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया था।

मदर्स प्राइड में धूमधाम से मनाया गया नवरात्रि उत्सव

मुजफ्फरनगर। आज हमारे विद्यालय में नवरात्रि उत्सव बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा में गरबा और डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। पूरे विद्यालय परिसर को रंग–बिरंगी सजावट

और देवी माँ के चित्र से सजाया गया, जिससे उत्सव का वातावरण और भी भव्य हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ दुर्गा की आराधना से हुई।

शिक्षकों ने नवरात्रि के महत्व पर प्रकाश डाला। बच्चों ने उत्साहपूर्वक डांडिया नृत्य किया, जिसमें उनकी ऊर्जा और समर्पण देखने लायक था। विद्यालय कि डायरेक्टर डॉ रिंकू एस गोयल ने इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं और इस पर्व के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि नवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि नारी शक्ति, भक्ति और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। सभी विद्यार्थियों ने आनंदपूर्वक नवरात्री के इस पर्व को उत्तसाहपूर्व मनाया। इस आयोजन ने सभी के मन में संस्कृति और परंपरा के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना जागृत की।

आगरा कमिश्नरेट की डायल 112 पर तैनात हेड कांस्टेबल ने फांसी लगाकर गंवाई जान

मथुरा। आगरा कमिश्नरेट की डायल 112 में तैनात हेड कांस्टेबल ने थाना सदर बाजार के औरंगाबाद स्थित बल्देव पुरम कॉलोनी में किराए के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सिपाही द्वारा आत्महत्या की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई और घटना की जानकारी तत्काल मृतक के परिजनों को दी। बीबी नगर जिला बुलंदशहर और हाल निवासी सदर बाजार क्षेत्र के औरंगाबाद बलदेव पुरम कॉलोनी निवासी 40 वर्षीय हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह पुत्र संतराजा सिंह का शव घर के कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। घर का दरवाजा न खुलने पर क्षेत्रीय लोगों ने इसकी सूचना इलाका पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची सदर पुलिस ने अंदर से दरवाजा बंद होने पर कोई अंदर से प्रतिक्रिया न मिलने पर दरवाजा को कड़ी मशक्कत के बाद खोल कर अंदर घुसने पर शव को लटका देख सभी के पैरों तले जमीन खिसक गई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस ने मृतक की पत्नी और अन्य परिजनों को दी। बताया जाता है कि मृतक सिपाही घर में अकेला था और पत्नी मायके अलीगढ़ में रुकी हुई थी। वर्तमान में मृतक आगरा कमिश्नरेट की डायल 112 में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। मृतक के परिजनों ने बताया कि राजवीर 2011 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुए थे। इनकी 12 साल पहले शादी हुई थी। मृतक के एक बेटा और एक बेटी हैं। सिपाही राजवीर सिंह के द्वारा आत्महत्या किए जाने की जानकारी मिलते ही परिजन पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच गए। जहां वह शव को देखकर बिलख बिलख कर रोने लगे। थाना सदर बाजार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम को भेज दिया और मामले की जानकारी आला अधिकारियों को दी। सीओ सिटी भूषण वर्मा ने बताया सिपाही ने आत्महत्या क्यों की है यह कारण अभी स्पष्ट नहीं है। मामले की जांच की जा रही है। परिजन भी अभी कुछ बताने को तैयार नहीं।

वार्षिक परीक्षा फल वितरण समारोह आयोजित

मुजफ्फरनगर। पी. एम. श्री राजकीय इंटर कॉलेज, मुजफ्फरनगर में सत्र 2024–25 का वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट नितिन कुमार जी ने सर्वप्रथम सरस्वती जी के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इसके बाद विद्यालय में कक्षा 6,7,8,9 एवं 11 में प्रथम ,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों सहित अपनी– अपनी कक्षा में शत – प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए तथा विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले चेतन कुमार सैनी को विशेष पुरस्कार से नवाजा गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में परीक्षा प्रभारी श्री ब्रह्म प्रकाश ने कक्षा वार विद्यालय का परीक्षाफल घोषित किया। छात्र–छात्राओं को भविष्य में बेहतर करने की प्रेरणा देते हुए सुचित्रा सैनी सोहनपाल, राकेश मलिक,रचित आदि शिक्षकों ने बच्चों को संबोधित करते हुए शुभाशीष दिया।

प्रधानाचार्य नितिन कुमार जी ने बताया कि शिक्षकों के अलावा अभिभावक का भी बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि प्राथमिक पाठशाला घर है। घर से ही बच्चे के अंदर संस्कार उत्पन्न होते हैं जिनका सकारात्मक विकास विद्यालय में होता है जो छात्र के सर्वांगीण विकास हेतु अति महत्वपूर्ण है।

अतः अभिभावकों को समय–समय पर छात्रों का निरीक्षण करते रहना चाहिए एवं विद्यालय के कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए। आज के समय में सफल होने के लिए छात्र का सर्वांगीण विकास होना नितांत आवश्यक है और इसके लिए छात्र में ध्यान, धैर्य,साहस, सहयोग, समय का सदुपयोग , विवेक और अनुशासन जैसे सद्गुणों का होना जरूरी है जिसके लिए छात्र के माता – पिता को छात्र के शिक्षकों से समय– समय पर मिलकर छात्र के विकास में उत्पन्न हो रही समस्याओं का समाधान करना छात्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत ही उपयोगी है।

कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए भूपेंद्र आर्य जी ने जीवन में समय प्रबंधन की महत्ता पर प्रकाश डाला। मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए तथा छात्रों को आशीर्वाद दिया गया। तथा छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में गीता रानी,सीमा कुमारी,वंदना कादियान आकांक्षा, नीतू ,राकेश पाल ,अनिल, आदर्श दिनेश ,राजीव गोयल, रकम सिंह, मनोज दीक्षित, मोहित, प्रवीण , सुप्रिया, पूनम आदि का सहयोग रहा।

सफाई कर्मचारी की बेटी को मिला संवैधानिक अधिकार – मण्डल प्रभारी

'मुजफ्फरनगर'स नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर मे मृतक सफाई कर्मचारी की आश्रित शिवांगी पुत्री रविन्द्र 2021 से योग्यता के आधार पर शासनादेश अनुसार लिपिक पद पर नियुक्ति के लिए नेताओं व अधिकारियों के यहां चक्कर काट रही थी लेकिन उसकी

कोई सुनवाई नही है रही थी।निवर्तमान चौयरपर्सन अंजू अग्रवाल ने शिवांगी को उसके संवैधानिक हक अधिकार से वंचित रखा। केवल सफाई कर्मचारी के पद पर ही नियुक्ति करने पर अडिग थी। उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के मंडल प्रभारी दीपक गम्भीर के आग्रह पर भाजपा नेता गौरव स्वरुप व चौयरपर्सन मिनाक्षी स्वरुप ने शिवांगी की पीड़ा को सुना और उसकी योग्यता के आधार पर अनुकम्पा कर शिवांगी को दिनांक 4 अप्रैल 2025 मे अपने आवास पर गणमान्य लोगों की उपस्थिति मे नगर पालिका मे लिपिक पद पर नियुक्त कर नियुक्ति पत्र देकर सफाई कर्मचारी की बेटी को उसका हक अधिकार दिया और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। शिवांगी ने चौयरपर्सन मिनाक्षी स्वरुप जी का आभार प्रकट किया। उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ ने भाजपा नेता गौरव स्वरुप व चौयरपर्सन मिनाक्षी स्वरुप जी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जैसे पूर्व मंत्री चाचा चितरंजन स्वरूप जी वाल्मीकि समाज को मान सम्मान दिया करते थे आज उसी परंपरा को कायम रखते हुए बेटी को उसका हक अधिकार आपके द्वारा दिया गया है। परिवार व संघ आपका सदैव आभारी रहेगा। इस अवसर पर विकल्प जैन सभासद, प्रशान्त सभासद, दीपक गम्भीर, राजेश ऊंटवाल पूर्व अध्यक्ष सफाई कर्मचारी संघ, मदनलाल मंत्री पूर्व मंत्री सफाई कर्मचारी संघ आशुतोष गुप्ता, नवनीत गुप्ता आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार से बरामद की 11 पेटी अंग्रेजी शराब

मथुरा। थाना मांट पुलिस ने तस्करी कर ले जायी जा रही 11 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। शराब तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रभारी निरीक्षक थाना मांट जशवीर सिंह ने बताया कि एसआई भुवनेश कुमार दीक्षित टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। शुक्रवार को सुबह 03.15 बजे यमुना एक्सप्रेसवे पर नोएडा से आगरा की तरफ माइल स्टोन 100 के पास से दो व्यक्तियों दयानंद कुमार यादव पुत्र बाबू लाल यादव निवासी रानीपुर थाना बड़हरिया जिला सिवान बिहार उम्र लगभग 30 वर्ष व श्यामल तिवारी पुत्र मानिक तिवारी निवासी जय बिहार नजफगढ़ थाना नजफगढ़ दिल्ली उम्र लगभग 32 वर्ष को वाहन वोक्सवैगन विन्टो कार नम्बर डीएल13 सी 3850 से तस्करी कर ले जायी जा रही गैर प्रान्त अवैध विदेशी मदिरा 11 पेटी जो हरियाणा से लखनऊ लेकर जा रहा था को गिरफ्तार किया गया, जिनके विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

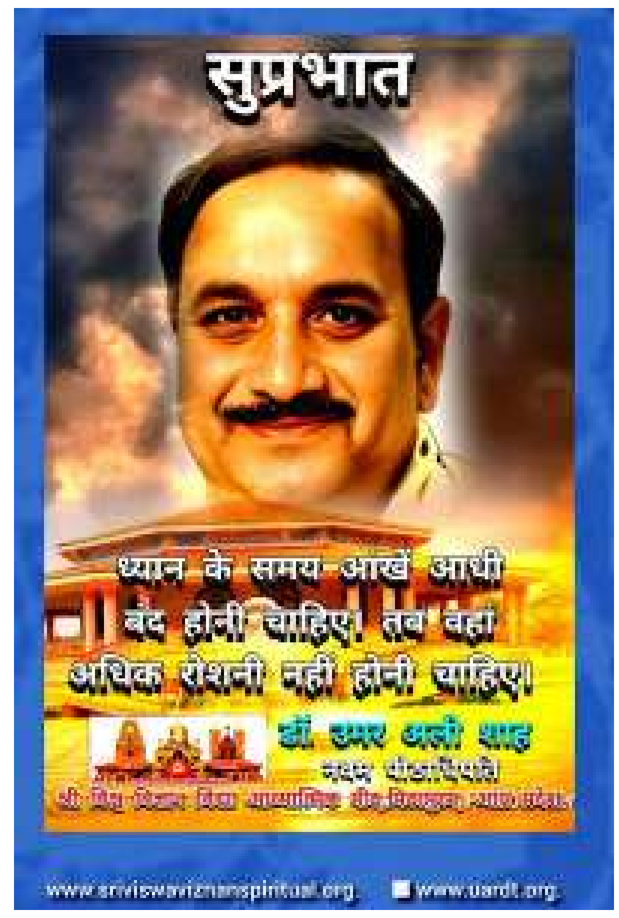

हम की महिमा है बड़ी

(कुण्डलिया)

श्हमश में प्रेम–लगाव है,गुणा–भाग से दूर।
श्मैंश बातें अपनी करे, रहे सदा मगरूर ।
रहे सदा मगरूर, उड़ाने ऊँची भरता।
पूड़ी अरु मिष्ठान, हमेशा खाता रहता।
सुन लो कहें प्रदीप,याद रखना यह हरदम।
श्मैंश छोटा तालाब,खुशी का सागर हैश्हमश।।

छोटी–सी ही बात है, लेकिन रखिए ध्यान।
श्हमश की महिमा है बड़ी,अति उन्नत विज्ञान।
अति उन्नत विज्ञान,महकते बन्धन सारे।
दुख में आकर पास, सदा वह संकट टारे।
कहते समझ प्रदीप, न कर अब बातें खोटी।
सबका रखो खघ्याल, बाँट कर रोटी छोटी।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसे में एक की मौत, दो गंभीर

–यमुना एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर बोलेरो ग्रिल पर चढ़कर पलटी

मथुरा। देर रात्रि करीब साढ़े दस बजे यमुना एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 108 के समीप वृंदावन कट पर तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर ग्रिल पर चढ़कर पलट गयी। गाड़ी में चालक सहित तीन लोग सवार थे। इटावा से वृंदावन दर्शन करने जा रहे थे। गाड़ी कायम सिंह चला रहे थे। उनके साथ सहदेव और पवन कुमार सवार थे। घायल सहदेव ने बताया कि वह इटावा जनपद के भरथना ब्लॉक के वर्ना फूलपुर ग्राम पंचायत के प्रधान हैं। वे गुरुवार शाम को गाड़ी संख्या यूपी 75 ए एल 9628 बोलेरो से घर से अपने साथियों के साथ वृंदावन बांके बिहारी दर्शन के लिए निकले थे। यमुना एक्सप्रेसवे पर वृंदावन कट के समीप बोलेरो अनियंत्रित

हो गयी जिसके कारण बोलेरो ग्रिल पर चढ़कर पलट गयी। हादसे में कार सवार पवन पुत्र राजन सिंह निवासी नगला बाघ थाना भरथना जनपद इटावा , सहदेव पुत्र नेमसिंह पुत्र नेमसिंह कार चालक कायम सिंह पुत्र पुतलाराम निवासी नगला बाग थाना भरथना गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही राया थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल चौकी यमुनाएक्सप्रेसवे कट प्रभारी कृष्णकुमार सिंह मय पुलिस टीम मौके पर पहुच गए और घायलों को एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करा घायलों के परिजनों को घटना की जानकारी दी। उपचार के दौरान चालक कायम सिंह (45) की मौत हो गयी। पुलिस ने म्रतक के शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया।

एसडीएम सदर ने अडूकी में की गेहूं की कटाई

–क्रॉप कटिंग के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया

मथुरा। उप जिलाधिकारी सदर, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट निशा ने तहसील सदर के अंतर्गत ग्राम भाई एवं अडूकी में क्रॉप कटिंग के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उप जिलाधिकारी सदर, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट निशा ने स्वयं की गेहूं की कटाई तथा गेहूं को लाठी से कूटा। उप जिलाधिकारी सदर ने गेंहू की उपज के संबंध में किसान से जानकारी ली। उन्होंने गांव भाई एवं अडूकी में जाकर गेंहू की फसल का जायजा लिया। उप जिलाधिकारी सदर ने स्वयं जरीब के माध्यम से 10 मीटर का समबाहु

त्रिभुजाकार प्लॉट निर्धारित करते हुए किसानों से अपने सामने कॉप कटिंग कराई तथा स्वयं क्रॉप कटिंग, गेहूं की कटिंग की। निरीक्षण करते समय उपस्थित किसानों से विभिन्न फसलों के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा बाजार में होने वाले घाटे व मुनाफे के बारे में किसानों से वार्ता भी की।

सम्पादकीय.......

बुलडोजर से नाइंसाफी

यह पहली बार नहीं है कि देश की शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि कथित अवैध निर्माणों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई न्याय के नैसर्गिक नियमों का उल्लंघन है। लेकिन ऐसी बलपूर्वक की गई कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद पिछले दिनों उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बुलडोजर की नाइंसाफी नजर आई। कोर्ट का कहना था कि यह बुलडोजरी अन्याय केवल झुग्गियों व मकानों को ही नहीं गिरा रहा है, बल्कि यह कानून की उचित प्रक्रिया व अनुच्छेद 21 का भी अतिक्रमण है। जो हर नागरिक के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा की गारंटी देता है। शीर्ष अदालत ने प्रयागराज में घरों को गिराए जाने को अमानवीय और अवैध बताते हुए शहरी विकास प्राधिकरण को प्रत्येक पीड़ित घर के मालिक को दस लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान घटी उस घटना को तंत्र की संवेदनहीनता बताया जिसमें बुलडोजर द्वारा झोपड़ी गिराए जाने पर एक बालिका अपनी किताबें पकड़कर भाग रही थी। अदालत का कहना था कि तसवीर देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। साथ ही अधिकारियों की मनमानी और असंवेदशीलता को उजागर करती है। कहा गया कि अतिक्रमणकारियों को खुद की स्थिति को स्पष्ट करने का उचित अवसर दिए बिना बुलडोजर से उनके मकान या झोपड़ियों को ध्वस्त करना अन्याय जैसा ही है। जिससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रशासन का इरादा अनधिकृत निर्माण को हतोत्साहित करने के बजाय उन्हें सबक सिखाना लगता है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में शासन–प्रशासन कथित 'तत्काल न्याय' के बुलडोजर मॉडल को लागू करने में सबसे आगे रहा है। इस विवादास्पद कार्रवाई का बचाव करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री ने कहा था कि कभी–कभी कुछ लोगों को उनकी समझ में आने वाली 'भाषा' में चीजों को समझाने की जरूरत होती है। जिसके मायने यह भी हैं कि ऐसे तत्वों को अदालतों द्वारा उन्हें दोषी या निर्दोष ठहराये जाने का इंतजार किए बिना ही दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बीते साल नवंबर में, सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर के लगातार इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिये कई दिशा–निर्देश दिए थे। इसमें मकान आदि के ध्वस्तीकरण से पंद्रह दिन पहले कब्जाधारियों को सचेत करना भी शामिल था। अदालत ने तो यहां तक चेतावनी दी थी कि निर्देशों का अतिक्रमण करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाएगा। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में बदलाव नहीं आया। इसमें दो राय नहीं कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के प्रति शून्य–सहिष्णुता का नजरिया जरूरी है। अवैध निर्माण हटाया जाना चाहिए, लेकिन सभी कायदे–कानूनों का पालन भी उतना ही जरूरी है। अदालत मानती रही है कि जल्दबाजी में बुलडोजर का इस्तेमाल असंवैधानिक है और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। जिसकी कानून इजाजत नहीं देता। प्रयागराज व महाराष्ट्र में कई जगह लोगों ने आरोप लगाया कि नोटिस देने के चौबीस घंटों में ही उनके मकान गिरा दिए गए। ऐसी ही कार्रवाई नागपुर हिंसा के बाद आरोपियों के घर गिराने में की गई। कहा गया कि लोगों को अपील करने का भी मौका नहीं दिया गया। वैसे यह नैसर्गिक न्याय की अवहेलना है कि एक कथित दोषी के कृत्यों की सजा उसके पूरे परिवार को दी जाती है। उस घर में उस व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्य भी रहते हैं। यह विडंबना है कि नागपुर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बैंच ने आरोपियों की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगायी थी, लेकिन जब तक आदेश पहुंचा तब तक स्थानीय प्रशासन कार्रवाई कर चुका था। वैसे हकीकत यह भी है कि कोई अवैध निर्माण रातोंरात खड़ा नहीं हो जाता। जब उसका निर्माण होता है तो स्थानीय प्रशासन की नजर उस पर क्यों नहीं जाती। एकाएक ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो जाती है कि उसे गिराने की तत्काल जरूरत पड़ती है। फिर तुरत–फुरत बुलडोजर चल जाता है। सवाल यह भी कि हर छोटे–बड़े, धनाढ्य वर्ग, प्रभावशाली नेताओं के अवैध निर्माण पर पीला पंजा क्यों नहीं चलता? निस्संदेह, बुलडोजर की गति राजाश्रय के संरक्षण में ही तेज होती है।

नया वक्फ कानून: ध्रुवीकरण है मकसद

डॉ. दीपक पाचपोर

पहले से देश भर में मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों की संख्या में इस कानून के अस्तित्व में आ जाने से और भी इजाफा होना तय है।

अपने ध्रुवीकरण के एजेंडे की तरफ एक और बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में कार्यरत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की सरकार उस वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक, 2024 को संसद में पारित कराने की कगार पर है जिसके जरिये मुस्लिमों के मामलों में अब सरकार की सीधी दखल का रास्ता खुल जायेगा। वक्फ संशोधन विधेयक बुधवार 12 बजे लोकसभा में पेश किया गया और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक लोकसभा में इस पर चर्चा जारी थी। आंकड़े सरकार के पक्ष में होने के कारण इसे पारित कराने में उसे कोई दिक्कत नहीं होगी ऐसा माना जा रहा है, क्योंकि सदन में जेडीयू और टीडीपी दोनों ने इस विधेयक में भाजपा का साथ दिया है। सरकार इस कानून को चाहे मुस्लिमों के हित में लाया गया कानून बता रही हो, लेकिन यह देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक वर्ग की धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है जिसके कारण सदन के भीतर धर्मनिरपेक्षता व लोकतंत्र में भरोसा रखने वाली तमाम पार्टियों तथा बाहर मुस्लिम संगठनों का इसे लेकर बड़ा विरोध हो रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और तमाम मुस्लिम संगठन इसका तभी से विरोध कर रहे हैं जब इसे पहली बार पिछले वर्ष 8 अगस्त को संसद में पेश किया गया था। प्रबल विरोध के चलते पहले तो इसे एक संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा गया था, परन्तु उस समिति की संरचना ऐसी थी जिसमें सरकार का बहुमत था। मुसलमानों की राय तथा विपक्ष के सुझावों को नजरंदाज कर संशोधन विधेयक को बुधवार को लोकसभा में प्रस्तुत किया गया। देश भर में मस्जिदों के रखरखाव हेतु रखी गयी सम्पत्ति यथा जमीनों, दुकानों पर सरकार का नियंत्रण व आधिपत्य का मार्ग प्रशस्त करने वाला यह कानून इसलिये निराशाजनक है क्योंकि इसका मकसद मस्जिदों व मुस्लिमों को उनके धार्मिक–सामाजिक कामों के लिये होने वाली आय से वंचित करने वाला है। मस्जिदों के निर्माण हेतु मिली जमीन का वैसे तो कोई मालिक नहीं होता और माना जाता है कि इसका मालिक अल्लाह होता है। मस्जिद कमेटी इसकी देख–रेख करती है। सरकार या प्रशासन द्वारा यह काम अपने हाथ में लेने का अर्थ है मुस्लिमों की धार्मिक मान्यता व कार्यपद्धति को सिरे से नकारना जिसके कारण इस विधेयक का व्यापक विरोध हो रहा है। यह भी आशंका है कि लगभग हर शहर में वक्फ के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली जमीनों के लिये सिविल के मुकदमे प्रारम्भ हो जायेंगे– फिर चाहे वे भाजपा सरकारों की ओर से हों अथवा उससे जुड़े संगठनों द्वारा दायर किये जायें। जो भी हो, यह तय है कि इस कानून से हिन्दुओं और मुस्लिमों के बीच की खाई और भी गहरा सकती है। पहले से देश भर में मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों की संख्या में इस कानून के अस्तित्व में आ जाने से और भी इजाफा होना तय है। हालांकि सरकार का दावा है कि इससे वक्फ से जुड़ी सम्पत्तियों का बेहतर प्रबन्धन हो सकेगा, पर सरकार की मंशा साफ है। वह मुस्लिमों की ताकत को कमतर करने तथा उसकी परिसम्पत्तियों पर कब्जा करना चाहती है। इतना ही नहीं, सरकार की ओर से दो गैर मुस्लिम सदस्य भी बोर्ड में शामिल किये जायेंगे। देश में फिलहाल वक्फ की सम्पत्ति का प्रबन्धन करने के लिये करीब 30 स्थापित संगठन हैं जो वक्फ बोर्ड अधिनियम, 1995 के अंतर्गत काम करते हैं। देखना है कि इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद इसे लेकर एनडीए के वे समर्थक दल क्या रुख अख्तियार करते हैं और उन राजनीतिक संगठनों के बारे में उनके वोटर क्या राय बनायेंगे जिन्होंने इस विधेयक को पारित करने में सरकार की मदद की है। विशेषकर, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड, जिनके क्रमशः 16 व 12 लोकसभा सदस्यों के बल पर नरेन्द्र मोदी की सरकार टिकी हुई है। इन दोनों पर इसलिये विशेष ध्यान है क्योंकि ये दोनों ही धर्मनिरपेक्ष पार्टियां कहलाती हैं और इनका बड़ा समर्थक वर्ग अल्पसंख्यकों का है। पहली बार जब यह विधेयक 8 अगस्त, 2024 को संसद में पेश किया गया था, तब जेडीयू और टीडीपी दोनों ने खुलकर सरकार का साथ नहीं दिया था, लेकिन अब माहौल बदल गया है। वहीं इस विधेयक के खिलाफ पिछले माह की 7 तारीख को जंतर मंतर पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बड़ा प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी थी कि यदि वक्फ कानून संशोधन विधेयक (2024) वापस नहीं लिया गया तो इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन होगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अलावा जमाते इस्लामी एवं जमीयत उलेमा ए हिन्द जैसे कई और संगठन शामिल हुए थे जो कि देश के अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अब फिर से बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने चेतावनी दी है कि यह विधेयक पारित हुआ तो बोर्ड चुप नहीं बैठेगा। आंदोलन करने के अलावा सभी संवैधानिक तथा कानूनी प्रावधानों का उपयोग किया जायेगा। इस बिल को लेकर सरकार की मंशा का पता इसी बात से चल जाता है कि इसे पेश करते वक्त कई भ्रामक तथ्य पेश किये गये। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और यहां तक कि गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि श्यदि यह बिल नहीं लाया जाता तो अब तक संसद भवन पर भी वक्फ बोर्ड अपना दावा ठोंक चुका होता। याद हो कि पिछले दिनों जब प्रयागराज में कुम्भ चल रहा था तब भी कहा गया था कि पूरे मेला क्षेत्र को अपनी जमीन पर होने का वक्फ दावा करता है। लोकसभा में कांग्रेस के गौरव गोगोई, केसी वेणुगोपाल आदि ने कहा कि सरकार की नजर वक्फ की जमीनों पर है, जो वह मुसलमानों से छीन लेना चाहती है।

नीला ड्रम, स्टोव बनाम स्त्री विमर्श

सर्वमित्रा सुरजन

मेरठ में सौरभ हत्याकांड के बाद नीला ड्रम काफी चर्चा में आ गया है। सौरभ की पत्नी मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर हत्या की थी और फिर सौरभ के शव के 15 टुकड़े कर के उसे एक ड्रम में भरा और ऊपर से सीमेंट डाल दिया था। फिलहाल दोनों आरोपी जेल में हैं और पुलिस इस मामले की हर कोण से जांच कर रही है। शुरुआत में इसमें तांत्रिक क्रिया के होने का संदेह था, लेकिन इससे पुलिस ने इंकार कर दिया है। यानी यह हत्याकांड गलत तरीके से चल रहे प्रेम संबंध की परिणति है। हत्या के बाद शव के टुकड़े करने जैसा वीभत्स काम कोई पहली बार नहीं हुआ है, न ही अवैध प्रेम संबंध के चलते पति या पत्नी में से किसी एक की हत्या की घटना पहली बार हुई है। ऐसे कई खौफनाक अपराध इसी समाज में घट चुके हैं। याद करें तो नैना साहनी को मारकर तंदूर में डाल दिया गया था। इंद्राणी मुखर्जी ने अपनी ही बेटी की हत्या करवा कर उसकी लाश को जंगल में फिंकवाया था और हत्या के पहले अपनी बेटी को वह छोटी बहन बताती थी। अभी पिछले ही साल गोवा के एक होटल में एक मां ने अपने 4 साल के बेटे की हत्या कर दी। इसके बाद शव को बैग में भरकर टैक्सी से बेंगलुरु चली गई। इन घटनाओं को याद करना दुखद है, लेकिन उससे भी दुखद बात ये है कि ऐसी एक घटना के धब्बे हल्के पड़ते नहीं कि, दूसरा भयावह प्रसंग खड़ा हो जाता है। इस तरह की खबरों पर अक्सर समाचारों में लिखा जाता है कि समाज दहल गया, सिहर गया, चौंक गया आदि, लेकिन क्या वाकई समाज में अब संवेदनशीलता बाकी रह गई है। क्योंकि संवेदनाएं होती तो ऐसी खबरों की अधिकता न होती। पहले इन घटनाओं को मनोहर कहानियां जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिलता था। फिर न्यूज चौनलों के अपराध बुलेटिनों में इनका नाटकीय रूपांतरण होने लगा। अब सोशल मीडिया इन खबरों के अधिकाधिक प्रसारण के लिए माकूल मंच बन गया है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन अब सोशल मीडिया को समाज का आईना कहा जा सकता है। लोगों के वक्त का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखने या पढ़ने में चला जाता है। समाज में कहीं कोई घटना घटी नहीं कि फौरन उस पर मीम्स, रील्स बनकर वायरल हो जाते हैं। अब तो ग्रोक की मदद से तरह–तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं और हर कोई घिबली आर्ट से अपना एनिमेटेड अवतार बना रहा है। सोशल मीडिया पर इस तरह के चलन कई बार चलते हैं। एक लहर सी आती है, समाज उसमें बहने लगता है, फिर वो लहर लौटती है, पीछे जो कचरा बच जाता है, उसे साफ करने का कोई उपाय नहीं रहता, तब तक दूसरी लहर आ जाती है। इसी तरह सोशल मीडिया के समुद्र में समाज गोते लगा रहा है। लेकिन तटस्थ होकर सोचें तो सोशल मीडिया में हम असल मायनों में सोशल होने की पहचान को ही खोते जा रहे हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है तो समाज की भलाई की चिंता उसे होनी चाहिए। लेकिन अभी समाज किस दिशा में जा रहा है, इसकी कोई परवाह ही नहीं हो रही है। खबरों पर फौरन प्रतिक्रिया देने या उसे वायरल करने या जरूरत से ज्यादा वक्त उस पर बिताने में हम भूल रहे हैं कि इन सबका कितना नुकसान समाज को हो रहा है। सोशल मीडिया कई जरूरी मुद्दों और विमर्शों को भी भटका रहा है। जैसे सौरभ हत्याकांड के बाद चर्चा में आए नीले ड्रम का जिक्र मैंने किया।

संयुक्त वैश्य मोर्चा से युद्धवीर सिंह ने मांगी माफी

जाट समाज के सम्मानित लोगों ने भी खेद व्यक्त किया

मुजफ्फरनगर। सिसौली में जाट समाज का एक महासम्मेलन हुआ था। जिसमे मीडिया को इंटरव्यू देते समय महासचिव युद्धवीर सिंह ने बनिया–वैश्य समाज के बारे में चोर एवं लुटेरा कहा था। जिस पर पूरे देश में युद्धवीर सिंह के विरूद्ध पूरा वैश्य समाज मुखुर हो गया जगह–जगह युद्धवीर सिंह के विरूद्ध वैश्य समाज के लोगो ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कानूनी कार्यवाही करने का ज्ञापन दिया बात बढ़ती देख जाट समाज के कुछ प्रबुद्ध लोग वैश्य समाज के पक्ष में खड़े हो गये जिसमें नरेश टिकैत, राकेश टिकैत व सिसौली की महापंचायत कराने वाले धर्मवीर बालियान प्रमुख है। संयुक्त वैश्य मोर्चा के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल एवं शलभ गुप्ता एडवोकेट एवं सुनील तायल संयोजक संयुक्त वैश्य मोर्चा की उपस्थिति में सत्यप्रकाश रेशू से युद्धवीर सिंह, नरेश टिकैत एवं धर्मवीर बालियान की वार्ता हुई जिसमें उनके द्वारा अशोभनीय टिप्पणी पर खेद व्यक्त किया गया।

युद्धवीर सिंह ने बनियो को लुटेरा एवं चोर कहने के बयान पर माफी मांगते हुए अपनी मंशा को स्पष्ट किया कि मेरा उददेश्य बनिया–वैश्य समाज के विरूद्ध नही था गलती से बनिया शब्द निकल गया जिसके लिए मै क्षमा मांगता हूँ युद्धवीर सिंह ने ये भी कहा कि बनिया–वैश्य समाज पूरे देश के समृद्ध निर्माण की मजबूत धुरी है। सत्यप्रकाश रेशू ने इस संबंध में नरेश टिकैत व सिसौली महापंचायत के संयोजक धर्मवीर बालियान से भी वार्ता की। जिस पर नरेश टिकैत ने बताया कि मैने एवं राकेश टिकैत ने युद्धवीर सिंह को कहा कि बनिया समाज लुटेरा नही देश एवं समाज की धुरी है। जिसके लिए हम भी युद्धवीर सिंह की तरफ से खेद प्रकट करते है। यही बात धर्मवीर बालियान ने भी संयुक्त वैश्य मोर्चा के पदाधिकारियो से कही। इसी संदर्भ में संयुक्त हिन्दु मोर्चा संयोजक मनोज सैनी व ब्राह्मण समाज द्वारा भी अपना समर्थन वैश्य समाज को दिया व अशोभनीय टिप्पणी पर खेद व्यक्त किया। संयुक्त वैश्य मोर्चा के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल, संयोजकगण शलभगुप्ता एडवोकेट, सत्यप्रकाश रेशू सुनील तायल, सुरेन्द्र अग्रवाल, राजेन्द्र प्रसाद गर्ग, कांति राठी, राजीव मोहन, विजय कर्णवाल, रोहतास कर्णवाल एडवोकेट, अमित गुप्ता एडवोकेट, पवन सिंघल, तरूण मित्तल, दीपक मित्तल सर्राफ, अभिमन्यु मित्तल सर्राफ, मनीष गुप्ता, पंकज राजवंशी, जर्नाधन स्वरूप, रचित गोयल, राहुल गोयल आदि उपस्थित रहे। इस प्रकरण को लेकर अनेको समाज के लोग वैश्य समाज को अपना समर्थन देने के लिए खड़े हो गये। परन्तु युद्धवीर सिंह के माफी मांगने व जाट समाज के प्रबुद्ध लोगो द्वारा खेद व्यक्त करने के कारण संयुक्त वैश्य मोर्चा ने इस प्रकरण को मीडिया के समक्ष समाप्त करने की घोषणा की। साथ ही पूरे देश के संयुक्त वैश्य मोर्चा को भी आन्दोलन समाप्त करने के लिए कहा।

लोकसभा में अभी सीटों की संख्या सीमित रखने का समय

नन्तू बनर्जी

अगर दुनिया के दूसरे सबसे बड़े संघीय लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में, प्रतिनिधि सभा में सीटों की संख्या 1913 से 435 तक सीमित रह सकती है, तो भारत के प्रत्येक राज्य में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए सीटों की संख्या और प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को जनसंख्या वृद्धि के अनुसार नये सिरे से तय करने के लिए नवीनतम परिसीमन अभ्यास को उचित ठहराने का कोई कारण नहीं है। देश अब कई वर्षों के अंतराल के बाद जनगणना अभ्यास से गुजर रहा है। वास्तव में, भारत को इस बात पर अधिक चिंतित होना चाहिए कि अपनी जनसंख्या वृद्धि को कैसे नियंत्रित किया जाये और अपने विधानमंडलों को वास्तव में मतदाताओं के लिए योगदान देने वाला कैसे बनाया जाये। दो साल पहले, भारत ने दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन को पीछे छोड़ दिया। यह इस तथ्य के बावजूद है कि चीन भूमि क्षेत्र के मामले में भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। आदर्श रूप में, भारत को इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि वर्तमान जनगणना अभ्यास के बाद वास्तविक समय में देश के आर्थिक विकास से जनता को लाभान्वित करने के लिए जनसंख्या के आकार को कैसे नियंत्रित किया जाये। परिसीमन अभ्यास को पीछे रखना चाहिए। देश की लोकसभा बिना बैक बेंचर्स की अतिरिक्त संख्या में अच्छा प्रदर्शन करेगी, जो सार्वजनिक मुद्दों को उठाकर और बहस में भाग लेकर संसद की कार्यवाही में बहुत कम योगदान देते हैं। लोकसभा और विधानसभाओं के लिए प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं इन सदनों में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। हालांकि संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 में यह प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या और साथ ही क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों में इसके विभाजन को फिर से समायोजित किया जायेगा। राज्य विधानसभाओं और संसद में सीटों की संख्या को स्थिर करने के लिए उन्हें संशोधित करने की आवश्यकता है। अतीत में, 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के बाद इस तरह की कवायद की गयी थी।

अमेरिका में, निचले सदन में सीटों की संख्या 1913 से स्थिर बनी हुई है, हालांकि देश की आबादी पिछले साल 940 लाख से लगभग चार गुना बढ़कर लगभग 3400 लाख हो गयी है। अमेरिकी कांग्रेस ने 1911 के एपोर्शनमेंट एक्ट के बाद से सदन के प्रतिनिधियों की संख्या 435 पर सीमित कर दी थी, सिवाय 1959 में हवाई और अलास्का को राज्यों के रूप में स्वीकार किये जाने के दौरान 437 तक की अस्थायी वृद्धि के। पिछली सदी में, 1910 की जनगणना के बाद से अमेरिकी कांग्रेस के जिलों का आकार तीन गुना से भी अधिक हो गया है, जिसमें प्रति जिले लगभग 212,000 निवासी सूचीबद्ध हैं। प्रत्येक राज्य के लिए सदन के सदस्यों की संख्या संघीय कानून में एक सांख्यिकीय सूत्र के अनुसार निर्धारित की जाती है। प्रत्येक राज्य अपने जिलों के आकार को डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार होता है, जब तक कि वह 1965 के मतदान अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के अनुरूप हो, जो नस्लीय अल्पसंख्यकों के मतदान और प्रतिनिधित्व अधिकारों की रक्षा करना चाहता है। भारत को अपनी संसद और राज्य विधानमंडल के सदस्यों की गुणवत्ता में सुधार करने की सख्त जरूरत है। राजनीतिक दल कानून बनाने के मंच का इस्तेमाल करके मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के बजाय विधानमंडल में सीटें हथियाने में ज्यादा रुचि रखते हैं। उन्हें मौजूदा कानूनों की प्रभावशीलता पर चर्चा और बहस करनी चाहिए, अगर जरूरी हो तो उनमें संशोधन करना चाहिए और नये मुद्दों से निपटने के लिए नये कानून पेश करने चाहिए। विधानमंडल में सीटें हथियाने के लिए ये राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए कुछ राजनीतिक रूप से मूर्ख लोकप्रिय फिल्मी सितारों और मनोरंजन जगत की हस्तियों को भी भर्ती करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

ऐसे प्रतिनिधि अक्सर अपने पूरे कार्यकाल के दौरान कार्यवाही में कोई योगदान दिये बिना संसद में सीटें लेते देखे जाते हैं। लोकसभा के 30 प्रतिशत सदस्य भी सक्रिय भागीदारी की इच्छा नहीं दिखाते हैं। कभी–कभी, कुछ लोग विधानमंडल में गरमागरम बहस से विचलित हुए बिना सो जाते हैं। एक राजनीतिक दल के लिए जो मायने रखता है वह संसद में उसकी संख्या है और शायद इसके अलावा कुछ भी नहीं। विधानमंडल में सीटें बढ़ाने के लिए परिसीमन अभ्यास दुर्भाग्य से केवल संख्या पर केंद्रित हो सकता है। इसे रोकने की जरूरत है। इसके अलावा, यह कवायद कम या नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को दंडित कर सकती है और देश की जनसंख्या विस्फोट में योगदान देने वालों को पुरस्कृत कर सकती है। यह शायद ही स्वीकार्य हो। लोकसभा सहित देश के विधायिकाओं के सदस्य अपने कार्यों में बहुत कम सुधार करके देश को भारी कीमत चुकाने को मजबूर कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक सांसद के खजाने पर प्रति वर्ष 600 लाख रुपये से अधिक का खर्च आ सकता है, जिसमें वेतन, भत्ते और अन्य खर्च और एमपीएलएडी (संसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना) शामिल हैं। पिछले हफ्ते ही, केन्द्र सरकार ने अप्रैल 2023 से प्रभावी, सांसदों के लिए 24 प्रतिशत वेतन वृद्धि को मंजूरी दी। वास्तव में, संसद सदस्य का मुख्य काम संघ सूची के मामलों पर कानून बनाना या संशोधनों के माध्यम से उन्हें संशोधित करना और केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराना है। पिछले पांच दशकों से भारतीय संसद 543 लोकसभा सांसदों के साथ काम कर रही है, जबकि देश की आबादी 55करोड़ से बढ़कर 145 करोड़ हो गयी है।

अगले तीन दशकों में भारत की आबादी 165–170 करोड़ के आसपास होने का अनुमान है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 2060 तक चीन की आबादी 121 करोड़ के आसपास होने का अनुमान लगाया है। 1979 से 2015 तक लागू की गयी चीन की वन–चाइल्ड पॉलिसी ने अधिकांश परिवारों को एक बच्चे तक सीमित करके देश की जनसंख्या वृद्धि को रोकने में मदद की। भारत सरकार इस तरह से सोच सकती है या ऐसी प्रणाली का पालन कर सकती है जो छोटे परिवारों को पुरस्कृत करती है और अधिक बच्चे पैदा करने वालों को उनकी सामाजिक और वित्तीय बाधाओं की अनदेखी करते हुए दंडित करती है। इन परिस्थितियों में, जनसंख्या के आकार को ध्यान में रखते हुए विधायिका का विस्तार एक गलत कदम होगा। यह उन राज्यों को अजीब स्थिति में डाल देगा, जिनका जनसंख्या प्रबंधन रिकॉर्ड अच्छा है, जबकि अन्य अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि दिखा रहे हैं।

लाल बहादुर शास्त्री से मनोज कुमार का था ऐसा कनेक्शन, बना डाली थी फिल्म, देखते ही देखते हो गये बेहद लोकप्रिय, खास देशभक्तों में हो गये थे शामिल

भारतीय सिनेमा ने अपने सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों में से एक को खो दिया है, क्योंकि महान अभिनेता और फिल्म निर्माता मनोज कुमार का शुक्रवार को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अपनी अविस्मरणीय देशभक्ति भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध, जिसने उन्हें ''भारत कुमार'' की प्यारी उपाधि दिलाई, अनुभवी अभिनेता–निर्देशक ने मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में सुबह 4:03 बजे अंतिम सांस ली।

महान अभिनेता भरत कुमार का निधन

मेडिकल रिपोर्ट से पता चला है कि उनकी मृत्यु का कारण तीव्र मायोकार्डियल इंफार्क्शन – एक गंभीर दिल का दौरा पड़ने से उत्पन्न कार्डियोजेनिक शॉक था। अनुभवी अभिनेता पिछले कुछ महीनों से डीकंपेंसेटेड लिवर सिरोसिस से भी जूझ रहे थे, एक ऐसी स्थिति जिसने उनकी सेहत को लगातार खराब किया। कुमार 21 फरवरी, 2025 से चिकित्सा देखभाल में थे, जब उन्हें उनकी बीमारी से उत्पन्न जटिलताओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके निधन से बॉलीवुड में एक युग का अंत हो गया जानी–मानी हस्तियों और उनके बड़े प्रशंसकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें एक महान अभिनेता बताया जिन्होंने भारतीय सिनेमा में बड़ा योगदान दिया है।

सिनेमा में देशभक्ति की भावना के लिए 'भारत कुमार' की थी एक स्पेशल जगह

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''दिग्गज अभिनेता एवं फिल्म निर्माता मनोज कुमार जी के निधन से बहुत दुखी हूं। वह भारतीय सिनेमा के आदर्श थे जिन्हें देशभक्ति की उनकी भावना के लिए विशेष रूप से याद किया जाता था और यह उनकी फिल्मों में भी झलकता था।'' मोदी ने कहा कि कुमार की फिल्मों ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को जगाया और ये आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। फिल्म जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'दादा साहब फाल्के' पुरस्कार से सम्मानित कुमार को 'दो बदन', 'हरियाली और रास्ता' तथा 'गुमनाम' जैसी सफल फिल्मों के लिए भी जाना जाता था। अविभाजित भारत के एबटाबाद शहर (अब पाकिस्तान) में एक पंजाबी हिंदू परिवार में जन्मे कुमार का जन्म का नाम हरिकृष्ण गोस्वामी था। उनका परिवार बाद में दिल्ली आ गया और कुमार ने हिंदू कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की।

दिलीप कुमार के प्रशंसक थे मनोज कुमार

इसके बाद वह फिल्मों में करियर बनाने के लिए मुंबई आ गए। कुमार ने 2021 में एक साक्षात्कार में कहा था कि उन्हें 'शबनम' फिल्म में दिलीप कुमार द्वारा निभाया गया मनोज का किरदार इतना पसंद आया था कि उन्होंने अपना नाम बदलकर मनोज रखने का फैसला कर लिया। उन्होंने कहा, ''मुझे वह समय याद है जब मैं 1949 में रिलीज हुई फिल्म 'शबनम' में दिलीप कुमार साहब को देखने गया था। उनकी वजह से ही मैं सिनेमा का प्रशंसक बना। मुझे फिल्म में उनके किरदार से प्यार हो गया था। इस किरदार का नाम मनोज था। उस समय मेरी उम्र 11 साल रही होगी लेकिन मैंने तुरंत फैसला कर लिया कि अगर मैं कभी अभिनेता बना तो अपना नाम मनोज कुमार ही रखूंगा।'' उसके कई साल बाद दिलीप कुमार ने मनोज कुमार की फिल्म 'क्रांति' में भूमिका निभाने के लिए हामी भरी। कुमार ने कहा कि दिलीप कुमार के 'क्रांति' में अभिनय के लिए हामी भरने से उन्हें बहुत खुशी हुई थी।

प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री से खास कनेक्शन

मनोज कुमार को पहली बड़ी सफलता 1962 में रिलीज हुई फिल्म 'हरियाली और रास्ता' से मिली जिसमें माला सिन्हा अभिनेत्री थीं। इसके बाद 'वो कौन थी?' को भी भारी सफलता मिली और उसका गीत 'लग जा गले' बहुत लोकप्रिय हुआ। उनकी 1965 में भगत सिंह के जीवन पर आधारित फिल्म 'शहीद' रिलीज हुई जो काफी सफल रही और इसने तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का भी ध्यान खींचा था। शास्त्री के साथ बातचीत के दौरान कुमार के मन में उनके लोकप्रिय नारे 'जय जवान, जय किसान' से प्रेरणा लेकर फिल्म बनाने का विचार आया जिसके बाद उन्होंने 'उपकार' फिल्म बनाई। यह उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी। यह फिल्म बेहद सफल रही और इसका गीत 'मेरे देश की धरती' अत्यंत लोकप्रिय हुआ।

मनोज कुमार ने रोमांटिक किरदार भी निभाए

देशभक्ति से भरपूर फिल्मों के अलावा कुमार ने 'हिमालय की गोद में', 'दो बदन', 'सावन की घटा' और 'गुमनाम' जैसी फिल्मों में रोमांटिक किरदार भी निभाए। उन्होंने पूर्व और पश्चिम के बीच सांस्कृतिक अंतर के विषय पर 1970 में 'पूरब और पश्चिम' फिल्म बनाई। इस फिल्म ने भी बड़ी सफलता हासिल की। देशभक्ति और सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों के प्रति उनके झुकाव के कारण वह 'भारत कुमार' के नाम से लोकप्रिय हुए। उनकी सफल फिल्में 'रोटी कपड़ा और मकान' तथा 'क्रांति' भी इन्हीं विषयों पर आधारित थीं।

अमीषा पटेल ने सिकंदर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना की जोड़ी का समर्थन किया

सिकंदर स्टार सलमान खान ने यंग को–एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के साथ काम करने के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि जब तक एक्ट्रेस ठीक है, तब तक इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हालाँकि, उनके विचार कई लोगों को पसंद नहीं आए और सिकंदर स्टार को इसके लिए खरी–खोटी भी सुनाई गई। लेकिन दूसरी ओर, अमीषा पटेल ने सलमान खान की राय का समर्थन किया और कहा कि जब तक यह बड़े पर्दे के लिए कारगर है, तब तक इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अभिनेत्री अमीषा पटेल ने हाल ही में सिकंदर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के बीच उल्लेखनीय उम्र के अंतर पर विवाद को संबोधित किया। अपनी उलझन व्यक्त करते हुए, उन्होंने सवाल किया कि 31 साल की उम्र का अंतर इतना चर्चा का विषय क्यों बन रहा है। अमीषा पटेल को नहीं लगता कि एक सीनियर अभिनेता का अपने से कम उम्र की अभिनेत्री के साथ रोमांस करना गलत है। उन्होंने गदर स्टार सनी देओल के साथ काम करने का उदाहरण भी दिया। अमीषा ने कहा कि उनके और सनी देओल के बीच 20 साल का अंतर था, लेकिन जब तक फिल्म चलती है, और ऑन–स्क्रीन जोड़ी फिल्म में काम करती है, तब तक कुछ भी मायने नहीं रखता। उन्होंने सलमान खान के लिए एक प्यारा सा फ्लाइंग किस भी किया। उन्होंने कहा मेरे और सनी (देओल) जी में भी तो 20 साल का अंतर था, पर जब जोड़ी चलती है तो चलती है। वैसे भी, सलमान तो बस मुआह (फ्लाइंग किस जेस्चर) हैं। इससे पहले, सिकंदर के ट्रेलर लॉन्च के दौरान, सलमान ने रश्मिका के साथ अपनी जोड़ी को लेकर आलोचना को संबोधित करते हुए उनके बीच 31 साल के उम्र के अंतर की ओर इशारा किया था। सलमान खान ने कहा कि फिर वो बोलते हैं 31 साल का अंतर है हीरोइन और मुझ में, अरे जब हीरोइन को दिक्कत नहीं है, हीरोइन के पापा को दिक्कत नहीं है, तुमको क्यों दिक्कत है भई? इनकी शादी होगी, बच्ची होगी, तो उनके साथ भी काम करेंगे। मम्मी की परमिशन मिल गयी तो उनके साथ भी काम करूंगा। 30 मार्च को रिलीज़ हुई, एआर मुरुगादॉस निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी और सत्यराज जैसे अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

पंचायत की 5वीं सालगिरह पर फैंस को मिला तोहफा, सीजन 4 की रिलीज डेट की हुई घोषणा

तीन अवॉर्ड विनिंग और जबरदस्त तारीफें बटोरने वाले सीजन के बाद पंचायत ने खुद को फैंस की फेवरेट सीरीज बना लिया है। इसकी सिंपल लेकिन दिल से जुड़ने वाली कहानी, शानदार एक्टिंग और गांव की प्यारी दुनिया ने सबका दिल जीत लिया। अब सीजन 4 में और भी ज्यादा ड्रामा, ठहाके और इमोशनल मोमेंट्स मिलने वाले हैं, जो फुलेरा की इस दुनिया को फैंस के और करीब ले आएंगे। हाल ही में प्राइम वीडियो ने इस सीरीज ने इसके सीजन 4 की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। टीवीएफ की लोकप्रिय सीरीज पंचायत को आज 5 साल पूरे हो गए है और इस शो का प्रीमियर 3 अप्रैल, 2020 को प्राइम वीडियो पर हुआ था। अब पंचायत सीजन 4 का प्रीमियर 2 जुलाई, 2025 को होने वाला है। पंचायत सीजन 4 में वही पसंदीदा स्टारकास्ट वापस लौट रही है, जिसमें जीतेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय, सान्विका, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और पंकज झा शामिल हैं।पंचायत सीजन 4 को द वायरल फीवर ने प्रोड्यूस किया है। इसे दीपक कुमार मिश्रा और चंदन कुमार ने बनाया है, जबकि चंदन कुमार ने इसकी कहानी लिखी है। निर्देशन की कमान दीपक कुमार मिश्रा और अक्षत विजयवर्गीय ने संभाली है। पंचायत एक कॉमेडी–ड्रामा है, जो अभिषेक की कहानी दिखाता है। अभिषेक, जो एक इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है, कम जॉब ऑप्शंस की वजह से यूपी के एक दूर–दराज गांव में पंचायत ऑफिस के सेक्रेटरी की नौकरी पकड़ लेता है। अब आने वाले सीजन में देखिए कैसे अभिषेक, प्रधान जी और फुलेरा के प्यारे लोग नई चुनौतियों से जूझते हैं और मजेदार किस्सों में उलझते नजर आएंगे।

कुणाल कामरा की मुश्किलें फिर बढ़ीं, शिवसेना नेता ने ईओडब्ल्यू को दी शिकायत

कमीडियन कुणाल कामरा की मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। अब, मुंबई पुलिस की ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) को कामरा के खिलाफ एक लिखित शिकायत दी गई है। इसमें उन्हें मिलने वाले पैसों की जांच करने की मांग की गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक नेता ने मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को एक लिखित शिकायत भेजी है, जिसमें उन्होंने कमीडियन कुणाल कामरा को मिलने वाले पैसों की जांच करने की मांग की है। यह शिकायत उनके वीडियो के माध्यम से विभिन्न देशों से प्राप्त धन के स्रोतों की जांच करने को लेकर की गई है। शिकायत में कहा गया है कि कुणाल कामरा को जो पैसे उनके वीडियो के माध्यम से अलग–अलग देशों से मिलते हैं, उसकी जांच होनी चाहिए। शिवसेना शिंदे गुट ने ईओडब्ल्यू से अनुरोध किया है कि वह इस मामले की जांच करें। अब देखना यह होगा कि इस मामले में कितनी गंभीरता से जांच होती है और कामरा के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है। उल्लेखनीय है कि कुणाल कामरा की मुश्किलें हाल ही में उनके विवादित बयान को लेकर बढ़ गई हैं। कमीडियन ने एकनाथ शिंदे के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी। जानकारी के अनुसार, कामरा 2021 में मुंबई को छोड़कर तमिलनाडु में शिफ्ट हो गए थे और तब से वह वहीं रह रहे हैं। गत 23 मार्च को उनके श्नया भारतश नामक शो का वीडियो सामने आया, जिसमें उनके बयान ने महाराष्ट्र में राजनीतिक उथल–पुथल मचाई। शिंदे गुट के समर्थक इस वीडियो से भड़क उठे और उन्होंने उस स्टूडियो में तोड़फोड़ की, जहां यह वीडियो शूट किया गया था। इस तोड़फोड़ के बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, बाद में इन सभी को कोर्ट से जमानत मिल गई। विवाद के बाद कुणाल कामरा ने कहा कि उन्होंने जो कुछ भी कहा, अपने पूरे होश–हवास में कहा था और वह अपने शब्दों के लिए जिम्मेदार हैं। यह उनका व्यक्तिगत विचार था और इस पर किसी का नियंत्रण नहीं हो सकता।

विक्रांत के बर्थडे पर पत्नी शीतल का दिल छूने वाला पोस्ट, बेटे संग तस्वीरें शेयर कर लिखा-जिंदगी में बार-बार आपको ही चुनूंगी

फिल्म 12जी फेल और हसीन दिलरुबा फिल्मों के एक्टर विक्रांत मैसी का आज जन्मदिन है। 3 अप्रैल को एक्टर अपना 38वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस मौके पर उन्हें फैंस और करीबियों की सोशल मीडिया पर खूब बधाइयां मिल रही हैं। इसी बीच विक्रांत की पत्नी शीतल ठाकुर ने भी उन्हें बेहद खास अंदाज में बर्थडे विश किया है और सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी पोस्ट शेयर की है, जो सबका दिल जीत रही है। शीतल ठाकुर ने पति के बर्थडे पर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह और विक्रांत अपने बेटे वरदान के साथ नजर आ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने एक और प्यारी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें विक्रांत अपने बेटे वरदान को प्यार से किस कर रहे हैं। यह तस्वीर फैंस के बीच काफी वायरल हो रही है और लोगों का दिल छू रही है। पोस्ट में शीतल ने विक्रांत के लिए लिखा, जन्मदिन मुबारक हो माय लव। आप एक शानदार इंसान हो। एक पति और पिता के रूप में आप बेहतरीन हो, और इस प्यार और समर्पण का जश्न मनाया जाना चाहिए। मैं जिंदगी में बार–बार आपको ही चुनूंगी। शीतल ने विक्रांत के जन्मदिन पर उनके लिए एक स्पेशल केक भी ऑर्डर किया, जिस पर लिखा था, बेस्ट हसबैंड, डैड। शीतल का ये पोस्ट फैंस के बीच खूब वायरल हो रहा है और फैंस उनके इस पोस्ट पर एक्टर को बर्थडे विश भी करते नजर आ रहे हैं। वर्कफ्रंट पर, विक्रांत मैसी कई सुपरहिट फिल्मों और टीवी सीरियल्स में नजर आ चुके हैं, जहां वो अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीतने में हमेशा कामयाब रहे हैं। एक्टर को आखिरी बार फिल्म द साबरमती रिपोर्ट में देखा गया था, जो काफी सुपरहिट साबित हुई थी।

चाय और कॉफी को कहें अलविदा, गर्मियों की सुबह को तरोताजा और स्वस्थ बनाने के लिए पिएं ये ड्रिंक्स

गर्मियों में हमारे खाने–पीने की आदतें बहुत बदल जाती हैं। सर्दियों की सुबह की गर्म चाय और कॉफी की जगह कोल्ड ड्रिंक्स ले लेती हैं। लोग गर्मियों में चाय–कॉफी छोड़ देते हैं और शरीर को ठंडक पहुंचाने के लिए छाछ, नींबू पानी और दूसरे कोल्ड ड्रिंक्स पीना शुरू कर देते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का भी मानना है कि गर्मी के मौसम में ठंडी ड्रिंक्स का सेवन शरीर के लिए फायदेमंद होता है और इससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व और हाइड्रेशन मिलता है। ऐसे में आइए आपको कुछ ऐसे ड्रिंक्स के बारे में बताते हैं, जो गर्मियों में आपके शरीर को तरोताजा रखने के साथ–साथ स्वस्थ भी रखेंगे।

नींबू पानीः गर्मियों के मौसम में सुबह की शुरुआत नींबू पानी से करना वास्तव में बहुत लाभदायक हो सकता है। नींबू पानी में विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो न केवल हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, बल्कि हमारे शरीर को भी तरोताजा और ऊर्जावान बनाए रखता है। यदि आप एक गिलास ठंडे नींबू पानी में थोड़ा शहद और नमक मिलाते हैं, तो यह आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा सकता है और आपको पूरे दिन सक्रिय और तरोताजा रख सकता है।

छाछः गर्मियों के मौसम में सुबह के समय छाछ पीना बहुत ही फायदेमंद होता है। छाछ हमारे पाचन तंत्र के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है, क्योंकि इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं जो हमारी आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। सुबह के समय छाछ का सेवन करने से हमारा पेट साफ होता है, और हम तरोताजा महसूस करते हैं। इससे हमें थकान भी नहीं होती है। इसके अलावा, छाछ में ऐसे तत्व भी होते हैं जो हमारी सेहत को और भी बेहतर बना सकते हैं।

नारियल पानीः कई लोग सुबह की सैर के बाद नारियल पानी पीना पसंद करते हैं और यह आदत उनकी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। नारियल पानी एक प्राकृतिक और तरोताज़ा करने वाला पेय है, जो हमारे शरीर को हाइड्रेट रखता है और ज़रूरी इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करता है। इसके अलावा, नारियल पानी हमारे पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है।

तरबूज का जूसः गर्मियों के मौसम में तरबूज का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। सुबह के समय तरबूज का जूस पीने से आपकी सेहत में सुधार हो सकता है। तरबूज में पानी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो इसे गर्मियों के लिए एक आदर्श पेय बनाता है। यह न केवल हमारी प्यास बुझाता है, बल्कि हमारे शरीर को हाइड्रेट भी रखता है। इसके अलावा, तरबूज का जूस हमारे शरीर को ज़रूरी मिनरल्स प्रदान करता है और हमें तरोताज़ा महसूस कराता है।

ग्रीन टीः गर्मियों के मौसम में अगर आपके लिए चाय या कॉफी छोड़ना मुश्किल हो रहा है, तो आप ग्रीन टी का विकल्प चुन सकते हैं। ग्रीन टी में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो हमारे शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज़ करते हैं और हमारे शरीर को डिटॉक्स करते हैं। यह हमें एक्टिव और ऊर्जावान महसूस कराता है। ग्रीन टी का सेवन करने से आप चाय और कॉफी पर अपनी निर्भरता कम कर सकते हैं और साथ ही अपने शरीर को स्वस्थ, ऊर्जावान और तरोताज़ा बनाए रख सकते हैं।

प्रेशर कुकर में कभी नहीं पकानी चाहिए ये 7 चीजें, वरना हो सकता है सेहत को नुकसान

प्रेशर कुकर आजकल हर घर में एक अहम किचन अप्लायंस बन चुका है। इसका उपयोग जल्दी खाना पकाने के लिए किया जाता है, लेकिन कुछ चीजों को प्रेशर कुकर में पकाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इन चीजों को प्रेशर कुकर में पकाने से ना सिर्फ उनका स्वाद और लुक खराब होता है, बल्कि यह हमारी सेहत पर भी बुरा असर डाल सकता है। आइए जानते हैं उन 7 चीजों के बारे में जिन्हें आपको कभी भी प्रेशर कुकर में नहीं पकाना चाहिए।

बींस

बींस में एक प्रकार का टॉक्सिन होता है, जिसे लेक्टिन कहते हैं। अगर बींस को सही तरीके से नहीं पकाया जाए तो यह डाइजेशन की समस्याएं पैदा कर सकता है। प्रेशर कुकर में बींस पकाने से इसे ठीक से पचाने में मुश्किल हो सकती है, इसलिए बींस को कुकर में पकाने से बचें।

डेयरी प्रोडक्ट्स

दूध, दही और क्रीम जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स को प्रेशर कुकर में पकाने से बचना चाहिए। इन चीजों को पकाने के लिए एक नियंत्रित हीट की आवश्यकता होती है, जबकि प्रेशर कुकर में हीट बहुत अधिक होती है, जिससे इन चीजों का स्वाद और गुणवत्ता खराब हो सकती है।

पास्ता

पास्ता को प्रेशर कुकर में पकाने से यह ओवरकुक हो सकता है और इसका स्वाद भी खराब हो सकता है। कुकर में पास्ता के पकने का समय नियंत्रित नहीं हो पाता, जिससे यह एकदम सॉफ्ट और फ्लेवरलेस हो सकता है।

आलू

प्रेशर कुकर में आलू पकाने से यह ज्यादा गर्म हो जाते हैं, जिससे उसमें मौजूद नेचुरल शुगर और पोषक तत्व खत्म हो सकते हैं। आलू में एंटी न्यूट्रिएंट्स भी होते हैं जो बॉडी में पोषक तत्वों को सही तरीके से अवशोषित होने से रोकते हैं, जिससे सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है।

फ्रिटर्स और फ्राइड फूड्स

फ्राइड फूड्स और कुरकुरे फ्रिटर्स को प्रेशर कुकर में पकाने से यह कुरकुरे नहीं बन पाते और उनका स्वाद भी खराब हो जाता है। प्रेशर कुकर भाप में पकाने के लिए डिजाइन किया गया होता है, जो इन फूड्स को डीप फ्राई करने के लिए सही नहीं है।

मछली

मछली को प्रेशर कुकर में पकाने से इसके न्यूट्रिएंट्स और ओमेगा–3 फैटी एसिड्स का नुकसान हो सकता है। मछली के पकने से जो स्वास्थ्य लाभ होते हैं, वह इस तरीके से खत्म हो जाते हैं, इसलिए इसे प्रेशर कुकर में पकाने से बचना चाहिए।

पालक और पत्तेदार सब्जियां

पालक और अन्य पत्तेदार सब्जियां जैसे मेथी या सरसों के साग को प्रेशर कुकर में पकाने से इनकी रंगत और स्वाद खराब हो सकता है। साथ ही, इनमें मौजूद ऑक्सालेट्स किडनी स्टोन का कारण बन सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

प्रेशर कुकर खाना जल्दी पकाने में मददगार होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर चीज को इसमे पकाना सेहत के लिए फायदेमंद हो। कुछ खाद्य पदार्थों को प्रेशर कुकर में पकाने से उनकी पौष्टिकता और स्वाद में कमी आ सकती है। इसलिए इन खाद्य पदार्थों को कुकर में पकाने से बचें और अपनी सेहत का ध्यान रखें।

दाहिने हाथ में खुजली होने का क्या होता है मतलब? भविष्य को लेकर मिलते हैं ये संकेत

शकुन शास्त्र एक प्राचीन विद्या है जो हमें सूक्ष्म गतिविधियों के आधार पर भविष्य के बारे में जानकारी देती है। यह ज्योतिष का ही एक हिस्सा है, जिसमें शरीर के विभिन्न हिस्सों की घटनाओं को देखकर भविष्य में होने वाली घटनाओं का अनुमान लगाया जाता है। इसी संदर्भ में, हाथों की खुजली को भी एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है।

हाथ की खुजली का क्या अर्थ होता है?

जब हाथ में खुजली होती है, तो यह संकेत करता है कि निकट भविष्य में कुछ अच्छा या बुरा होने वाला है। यह संकेत हमें अपने जीवन के बारे में चेतावनी या शुभ समाचार देने का काम करता है। विशेष रूप से, दाएं और बाएं हाथ की खुजली के अर्थ अलग–अलग होते हैं।

जब दाएं हाथ में हो खुजली

शकुन शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के दाहिने हाथ या शरीर के दाहिने हिस्से में खुजली हो रही है, तो यह एक अशुभ संकेत हो सकता है। इसका अर्थ है कि आने वाले समय में आपको धन की हानि हो सकती है या फिर आपको व्यर्थ की चीजों पर धन खर्च करने का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, जब दाएं हाथ में खुजली हो, तो इसे एक चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए और हमें अपने धन के खर्च को सोच–समझकर करना चाहिए। इसके विपरीत, पुरुषों के लिए दाहिने हाथ की खुजली एक शुभ संकेत मानी जाती है। इसका मतलब है कि वे जल्द ही किसी रूप में धन लाभ प्राप्त करने वाले हैं।

जब बाएं हाथ में हो खुजली

अगर किसी व्यक्ति के बाएं हाथ में खुजली हो रही है, तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। इसका मतलब है कि जल्द ही आपको धन लाभ होने वाला है। यह संकेत बताता है कि आपके पास पैसे से जुड़ी कोई खुशखबरी आ सकती है। इसलिए, बाएं हाथ की खुजली होने पर यह समझा जा सकता है कि अच्छे दिन आ रहे हैं और आपको आर्थिक रूप से फायदा होने वाला है। हालांकि, पुरुषों के लिए बाएं हाथ में खुजली को अशुभ माना जाता है। यह संकेत करता है कि उन्हें धन की हानि हो सकती है या फिर आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

यह लेख शकुन शास्त्र पर आधारित है और इसका उद्देश्य केवल जानकारी प्रदान करना है। किसी भी फैसले से पहले विशेषज्ञ से सलाह लें।

व्रत में चटपटा खाने का है मन तो बनाएं चटपटी और क्रिस्पी फलाहारी पोटैटो बाइट्स

जो लोग पूरे नवरात्रि व्रत करते हैं, उनको अक्सर चटपटा खाने का मन होता है। ऐसे में अगर इस नवरात्रि आप भी पूरे व्रत हैं और आपको भी चटपटा खाने की क्रेविंग हो रही है, तो आप अपने लिए व्रत में फलाहारी पोटैटो बाइट्स बनाकर तैयार कर सकते हैं।

हिंदू धर्म में नवरात्रि एक महत्वपूर्ण त्योहार है। नवरात्रि के 9 दिनों तक मां दुर्गा के 9 अलग–अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि में बहुत सारे लोग व्रत करते हैं और रोजाना मां दुर्गा की विधि–विधान से पूजा–अर्चना करते हैं। नवरात्रि के 9 दिनों के व्रत में फलाहारी भोजन किया जाता है। वहीं जो लोग पूरे नवरात्रि व्रत करते हैं, उनको अक्सर चटपटा खाने का मन होता है। ऐसे में अगर इस नवरात्रि आप भी पूरे व्रत हैं और आपको भी चटपटा खाने की क्रेविंग हो रही है, तो आप अपने लिए व्रत में फलाहारी पोटैटो बाइट्स बनाकर तैयार कर सकते हैं। यह चाय के साथ खाने में काफी अच्छे लगते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फलाहारी पोटैटो बाइट्स की रेसिपी बताने जा रहे हैं।

फलाहारी पोटैटो बाइट्स सामग्री

मीडियम साइज उबले आलू– 3–4

साबूदान– 1 कप

मूंगफली– 1/3

सेंधा नमक– स्वादानुसार

काली मिर्च

हरी मिर्च

हरा धनिया

तेल

ऐसे बनाएं पोटैटो बाइट्स

बता दें कि पोटैटो बाइट्स बनाने के लिए सबसे पहले 3–4 आलू को अच्छे से धोकर उबालने के लिए रख दें। जब आलू पक जाएं, तो इसको पानी से निकालकर ठंडा होने दें और फिर साबूदाना व मूंगफली को अलग–अलग रोस्ट कर लें। अब रोस्ट साबूदाना और मूंगफली का पाउडर बना लें। वहीं हरा मिर्च और हरा धनिया बारीक काट लें। आलू के ठंडे होने पर इनको छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें।

अब इन आलू के टुकड़ों में काली मिर्च पाउडर, सेंधा नमक, बारीक कटी हरी मिर्च और धनिया को मिला दें। फिर तेल गर्म करें और इसमें आलू के टुकड़ों को डालकर हल्का ब्राउन होने तक भूनें। इस आसान तरीके से फलाहारी पोटैटो बाइट्स बनकर तैयार हो जाएगा। आप इसको फलाहारी चटनी और चाय के साथ खा सकते हैं।

संक्षिप्त

ओपन एआई का ऐलान, घिबली ट्रेंड के बीच भारत 'सबसे तेजी से बढ़ने वाला' चौटजीपीटी बाजार

चौटजीपीसी का नया वर्जन जिसके जरिए इमेज जनरेशन की सुविधा मिलती है जो घिबली ट्रेंड के जरिए वायरल हो रहा है। वर्ष 2022 में एआई चौटबॉट की शुरुआत होने के बाद से इसकी लोकप्रियता अलग अलग कारणों से बढ़ रही है। ओपन एआई के सीओओ ब्रैड लाइटकै ने इसे लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। सीओओ ब्रैड लाइटकै की मानें तो 25 मार्च को ओपनएआई के जीपीटी–4व मॉडल द्वारा संचालित इमेज जनरेटर के साथ चौटजीपीटी को अपग्रेड किए जाने के बाद से 130 मिलियन से अधिक यूजर्स ने 700 मिलियन से अधिक छवियां बनाई हैं। लाइटकैप ने बताया कि भारत चौटजीपीटी के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। लाइटकैप का कहना है कि हम आपके धैर्य की सराहना करते हैं क्योंकि हम सभी की सेवा करने का प्रयास कर रहे हैं। टीम चौबीसों घंटे काम करना जारी रखती है।ष लाइटकैप द्वारा भारत का उल्लेख ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन द्वारा देश में एआई को अपनाने की तीव्र गति की सराहना करने के कुछ ही दिनों बाद आया है। ओपनएआई के नए इमेज जनरेटर की लोकप्रियता तब बढ़ गई जब उपयोगकर्ताओं ने इसकी क्षमता की खोज की कि यह जापानी एनीमेशन कंपनी स्टूडियो घिबली की शैली में वास्तविक दुनिया की तस्वीरों को एआई–रेंडर की गई छवियों में बदल सकता है। हालाँकि, चौटजीपीटी के लिए नए उपयोगकर्ताओं के पंजीकरण में वृद्धि से कंपनी की क्षमता और संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है। इमेज जनरेटर के प्रति उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया का स्वागत करते हुए, ऑल्टमैन ने पिछले सप्ताह कहा था कि यह कंपनी की ग्राफिक्स प्रोसेसिंग इकाइयों (जीपीयू) को पिघला रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में, उन्होंने घोषणा की कि छवि जनरेटर की लोकप्रियता के कारण उत्पाद में देरी हो सकती है और सेवाओं में अस्थायी रूप से गिरावट आ सकती है, क्योंकि एआई स्टार्टअप तेजी से बढ़ती उपयोगकर्ता मांग को पूरा करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर काम कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रम्प के द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद फार्मा क्षेत्र के शेयरों में 7% तक की गिरावट

अरबिंदो फार्मा, लॉरस लैब्स, आईपीसीए लैबोरेटरीज और ल्यूपिन समेत भारतीय दवा कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को सात फीसदी की गिरावट आई है। ये गिरावट तब देखने को मिली जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिया कि इस क्षेत्र पर टैरिफ आसन्न थे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन फार्मास्यूटिकल्स पर संभावित टैरिफ का मूल्यांकन कर रहा है। उन्होंने कहा, ष्मुझे लगता है कि फार्मा पर टैरिफ उस स्तर पर आने वाला है, जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा।ष उन्होंने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स को टैरिफ के लिए एक अलग श्रेणी के रूप में माना जा रहा है, जिसकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ष्हम फार्मा को एक अलग श्रेणी के रूप में देख रहे हैं। हम निकट भविष्य में इसकी घोषणा करेंगे – दूर के भविष्य में नहीं। यह टिप्पणी फार्मा शेयरों में उछाल के ठीक एक दिन बाद आई है, क्योंकि इस उम्मीद में कि इस क्षेत्र को व्यापार प्रतिबंधों से बचाया जाएगा। गुरुवार को, निफ्टी फार्मा इंडेक्स में 2.3ः की उछाल आई, जिसमें आईपीसीए लैबोरेटरीज 4.6ः चढ़ गया, जबकि ल्यूपिन, सन फार्मास्युटिकल और सिप्ला में 3–4ः की बढ़त हुई। 2 अप्रैल को अनावरण किए गए और षलिबरेशन डेष कहे जाने वाले ट्रम्प के टैरिफ प्लान में भारतीय आयातों पर व्यापक आधार पर 26ः टैरिफ लगाया गया, जिसके बारे में अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि यह व्यापार बाधाओं और मुद्रा प्रथाओं को ध्यान में रखते हुए भारत द्वारा अमेरिकी व्यवसायों से वसूले जाने वाले शुल्क का आधा है। व्हाइट हाउस फैक्ट शीट के अनुसार, शुरू में फार्मास्यूटिकल्स को पारस्परिक टैरिफ के अधीन वस्तुओं की सूची से बाहर रखा गया था। दस्तावेज़ में कहा गया है, कुछ वस्तुओं पर पारस्परिक टैरिफ लागू नहीं होगा, जिनमें तांबा, फार्मास्यूटिकल्स, सेमीकंडक्टर और लकड़ी शामिल हैं। विशेषज्ञों ने पहले सुझाव दिया था कि भारत के फार्मास्यूटिकल निर्यात – मुख्य रूप से जेनेरिक दवाओं से बने – को नए टैरिफ का सामना करने की संभावना नहीं है, क्योंकि ऐसे उपायों से अमेरिका में स्वास्थ्य सेवा की लागत बढ़ सकती है। हालांकि, ट्रम्प के नवीनतम बयान से संकेत मिलता है कि यह क्षेत्र अब छूट प्राप्त नहीं रह सकता है, जिससे निवेशकों के बीच चिंता बढ़ गई है।

अमेरिकी टैरिफ का असर, सेंसेक्स में गिरावट जारी, निफ्टी 23,104 पर

भारतीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट जारी रही, जबकि एशियाई बाजार अभी भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव से जूझ रहे हैं। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 591.05 अंक या 0.77 प्रतिशत गिरकर 75,704.31 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 202.55 अंक या 0.87 प्रतिशत गिरकर 23,047.55 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, लार्सन एंड टूब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति सुजुकी इंडिया, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज और अडानी पोर्ट्स शामिल थे। इसके विपरीत एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर को लाभ हुआ। बाजार में अनिश्चितता का दौर जारी है, जो कुछ समय तक जारी रहने की संभावना है। ट्रंप ने व्यापार युद्ध छेड़ दिया है और चीन, यूरोपीय संघ और अन्य देशों की ओर से जवाबी टैरिफ लगाए जाने की संभावना है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, इससे बाजार में अनिश्चितता और भ्रम की स्थिति और बढ़ेगी। ट्रम्प ने भारत से आयात पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जो कई एशियाई समकक्षों पर लगाए गए टैरिफ से कम है, जिनमें थाईलैंड पर 36 प्रतिशत और इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत टैरिफ शामिल है।

23.75 करोड़ मिलने का मतलब यह नहीं कि हर मैच में रन बनाने होंगे, वेंकटेश अय्यर का आलोचकों को जवाब

कोलकाता, एजेंसी। आईपीएल 2025 में गुरुवार को वेंकटेश अय्यर की शानदार बल्लेबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 80 रन से हरा दिया। वेंकटेश ने 29 गेंद में 60 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी के साथ ही वेंकटेश ने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। दरअसल, शुरुआती दो मैच में वेंकटेश फेल रहे थे। ऐसे में आलोचक उन पर निशाना साध रहे थे कि केकेआर ने उन्हें क्यों ज्यादा दाम पर खरीदा। अब वेंकटेश ने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा है कि उन्हें 23.75 करोड़ रुपए की धनराशि मिलने का यह मतलब नहीं है कि उन्हें हर एक मैच में बड़ा स्कोर बनाना होगा। उन्होंने कहा कि उनका ध्यान टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करने पर है। केकेआर ने मेगा नीलामी में राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल करके वेंकटेश को फिर से अपनी टीम से जोड़ा था, लेकिन वह पहले दो मैच में केवल नौ रन बना पाए थे। अब 60 रन की पारी खेलने के बाद वेंकटेश ने कहा, श्मैं झूठ नहीं बोलूंगा, थोड़ा दबाव है। आप लोग इसको लेकर इतनी चर्चा कर रहे हैं, लेकिन (केकेआर में) सबसे अधिक धनराशि पाने वाला खिलाड़ी होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे हर मैच में रन बनाने होंगे।

टीम के लिए कैसे मैच जीत सकता हूं, इस पर ध्यान

उन्होंने कहा, यह इससे जुड़ा है कि मैं टीम के लिए कैसे मैच जीत सकता हूं और मैं क्या प्रभाव डाल सकता हूं। इसको लेकर दबाव नहीं है कि मुझे कितनी धनराशि मिल रही है या मैं कितने रन बना रहा हूं। मुझ पर इस तरह का दबाव कभी नहीं रहा।श यह पूछे जाने पर कि क्या केकेआर में सबसे अधिक धनराशि पाने वाले खिलाड़ी होने का दबाव आखिरकार हट गया, वेंकटेश ने मुस्कुराते हुए उल्टा सवाल दाग दिया। उन्होंने कहा, आप ही मुझे यह बताएं। मैं आईपीएल के शुरू से कह रहा हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको 20 लाख या 20 करोड़ मिल रहे हैं। मैं टीम का एक खिलाड़ी हूं जो टीम की जीत में योगदान देना चाहता है।

कभी–कभी मुश्किल परिस्थितियों का भी सामना करना होगा

वेंकटेश ने कहा, श्कभी–कभी हमें मुश्किल परिस्थितियों का भी सामना करना होगा जहां मेरा काम कुछ ओवर खेलना होगा और अगर मैं ऐसा करता हूं और रन नहीं बनाता हूं, तो भी मैंने अपनी टीम के लिए योगदान दिय।श कोलकाता के बल्लेबाज पहले दो मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उनमें आक्रामकता का अभाव दिखा लेकिन वेंकटेश ने कहा कि उनकी टीम सोची समझी आक्रामकता पर विश्वास करती है।

आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर छक्के लगाना नहीं

उन्होंने कहा, श्आक्रामकता का मूल अर्थ सकारात्मक इरादे दिखाना है। यह सकारात्मक लेकिन सही इरादे दिखाने से जुड़ा है। आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर छक्के लगाना नहीं है।श मेजबान टीम कोलकाता ने छह विकेट पर 200 रन बनाए थे। जवाब में सनराइजर्स की टीम 16.4 ओवर में 120 रन पर आउट हो गई।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने हैदराबाद को 80 रन से दी मात, SRH की हार की हैट्रिक

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने बेहतरीन खेल के दम पर गुरुवार को आईपीएल 2025 के 15वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को अपने घर ईडन गार्डन्स में 80 रनों से रौंद दिया। वेंकटेश अय्यर, अंगकृष रघुवंशी और रिंकू सिंह की बेहतरीन पारियों के दम पर केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 200 रन बनाए। जिसके जवाब में हैदराबाद का तूफानी बल्लेबाजी ऑर्डर ध्वस्त हो गया और 16.4 ओवरों में 120 रनों पर ही ढेर हो गया। हालांकि, एक समय ऐसा भी था जब कोलकाता का 150 रनों का स्कोर भी मुश्किल लग रहा था लेकिन आखिरी के पांच ओवरों में 78 रन बना ये टीम मजबूत स्कोर तक पहुंची। इसमें वेंकटेश अय्यर के 29 गेंदों पर सात चौके और तीन छक्कों की मदद से 60 रनों की पारी का आहम रोल रहा। वहीं रिंकू सिंह ने 17 गेंदों में 32 रन की अहम पारी खेली। जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 32 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। ये हैदराबाद की इस सीजन लगातार तीसरी हार है। इससे पहले उससे दिल्ली कैपिटल्स ने 30 मार्च को हराया था। 27 मार्छ को लखनऊ सुपर जायंट्स ने उसे हैदराबाद में ही हराया था। केकेआर के खिलाफ टीम को जो हार झेलनी को मिली वो हैदराबाद की आईपीएल की सबसे बड़ी हार है। फिलहाल,201 रनों का पीछा करने उतरी ैत्भ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ईशान किशन की पारी पर वैभव ने ब्रेक लगा दिया। तो बाएं हाथ का ये बल्लेबाज दो रनों से आगे नहीं बढ़ पाया। नीतीश कुमार रेड्डी भी 19 रनों से आगे अपनी पारी नहीं ले जा सके। कामिंदू मेंडिस को नरेन ने आउट कर हैदराबाद को पांचवां झटका दिया। अनिकेत वर्मा भी इस मैच में कोई कमाल नहीं कर सके। वह वरुण चक्रवर्ती

की गेंद पर आउट हो गए और उनके खाते में 6 रन आए। हेनरिक क्लासेन अकेले दम लगा रहे थे, लेकिन वह भी लंबी पारी नहीं खेल पाए और वैभव के शिकार बने। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 21 गेंदों में 33 रन बनाए जिसमें दो चौके और दो छक्के शामिल रहे। कप्तान पैट कमिंस 15 गेंदों पर 14 रन बनाकर वरुण का शिकार हो गए।

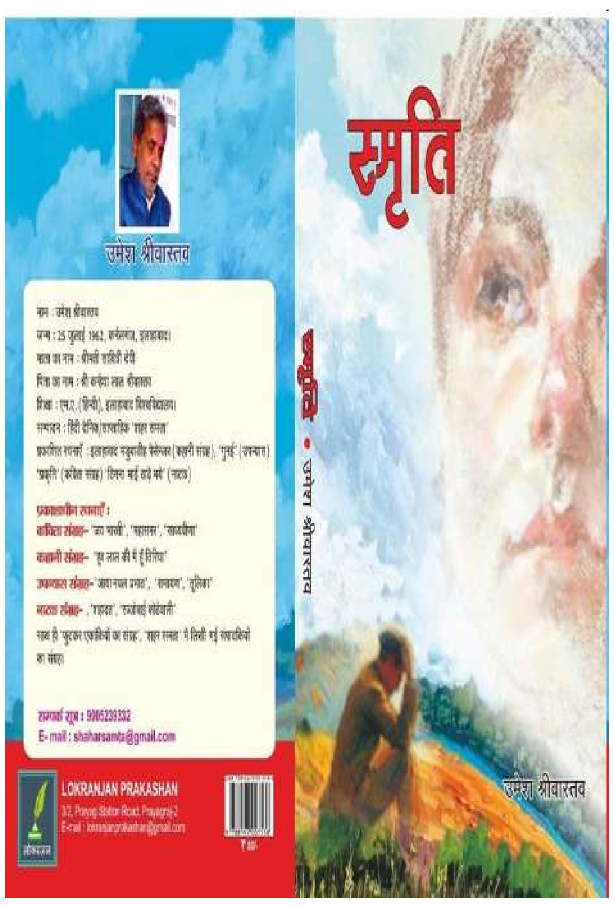

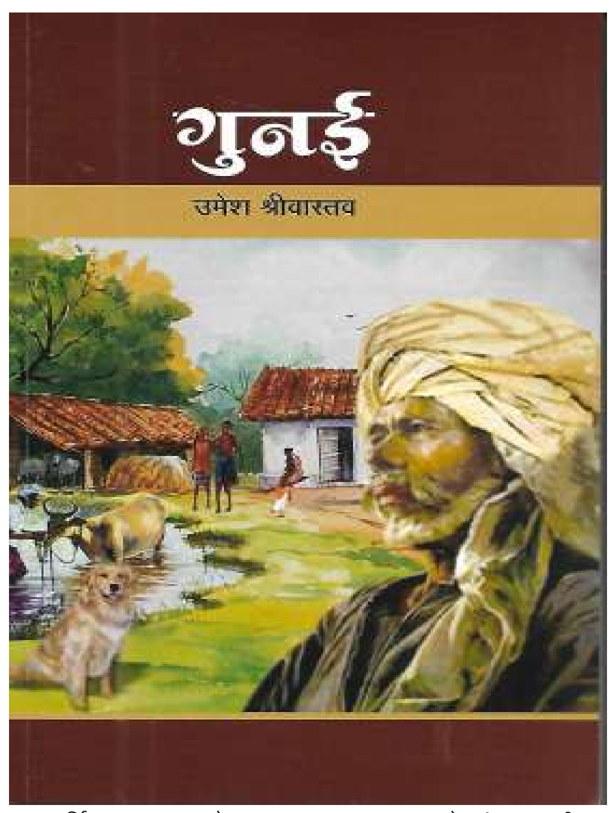

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

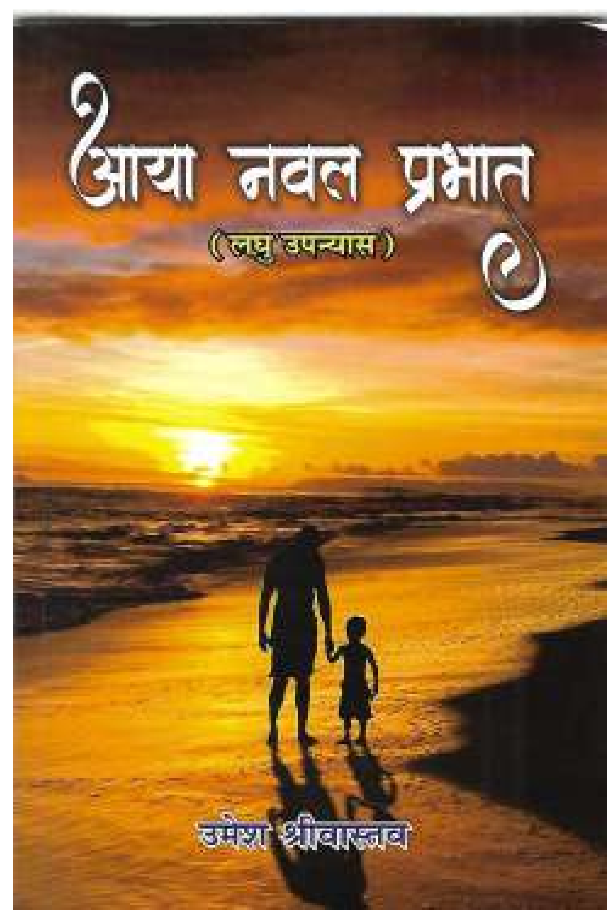

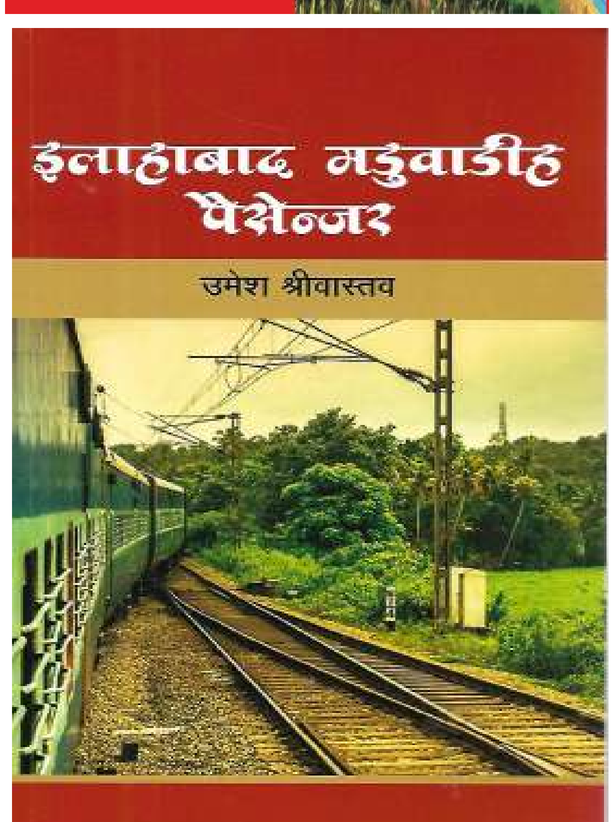

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

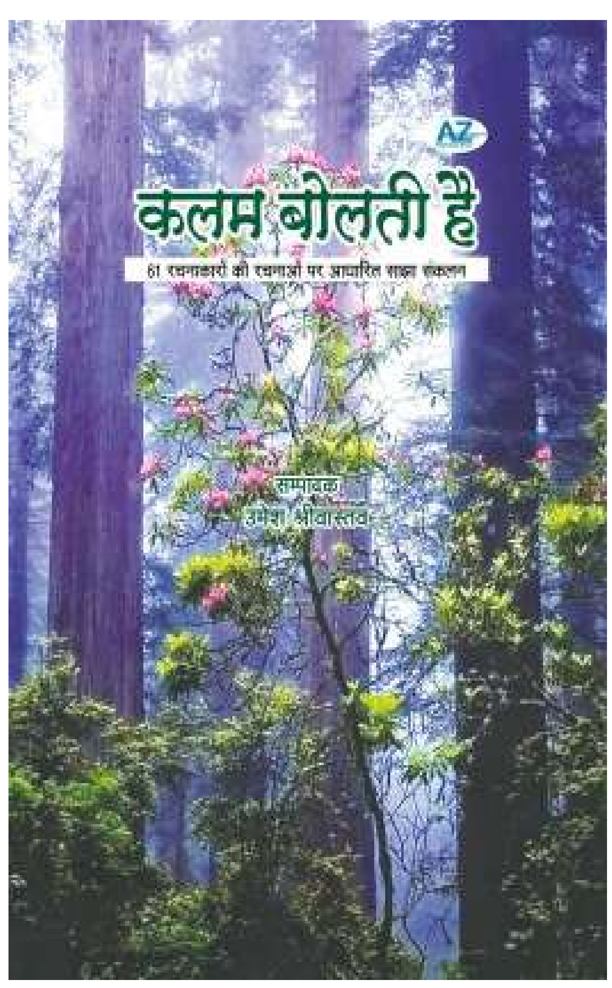

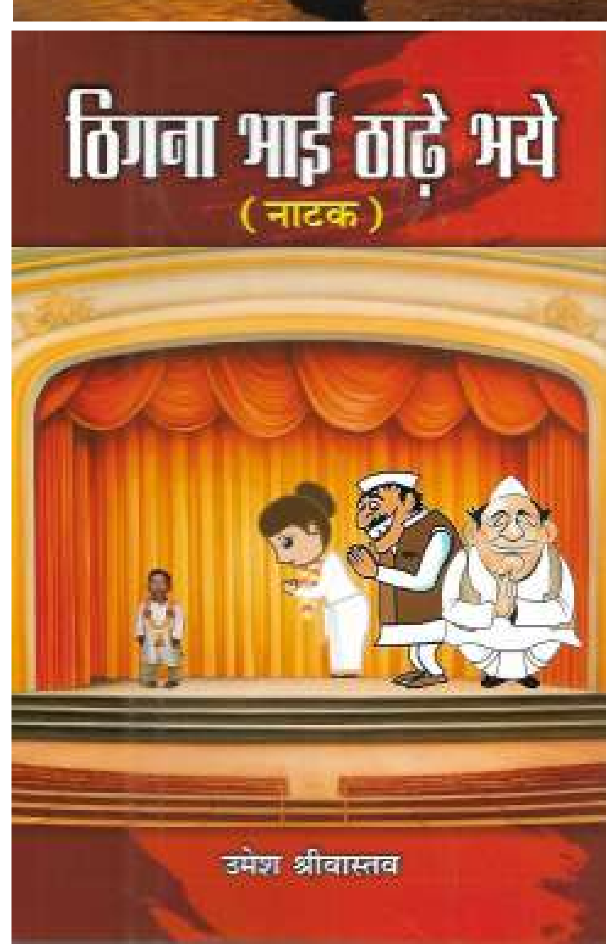

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इजराइल के हवाई हमले में गाजा में 100 लोग मारे गए : फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारी

गाजा पट्टी में बृहस्पतिवार को इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 100 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें 27 लोगों ने उत्तरी क्षेत्र के एक स्कूल में शरण ले रखी थी। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल की सेना

ने कहा है कि उसने आक्रामक कार्रवाई तेज कर दी है जिसका इरादा हमास पर नया दबाव डालना और उसे आखिरकार खदेड़ देना है। फलस्तीन स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता जहेर अल–वाहिदी ने बताया कि गाजा शहर के तुफ़्फ़ाह में स्थित एक स्कूल से 14 बच्चों और पांच महिलाओं के शव बरामद किए गए लेकिन मृतकों की संख्या अभी बढ़ सकती है, क्योंकि 70 घायलों में कई की स्थिति नाजुक है। उन्होंने अहली अस्पताल के रिकॉर्ड का हवाला देते हुए बताया कि निकटवर्ती हिजाय्याह इलाके में घरों पर हुए हमलों में 30 से अधिक अन्य गाजा निवासी मारे गए। इज़राइली सेना ने बृहस्पतिवार को उत्तरी गाजा के कुछ हिस्सों में रहने वाले निवासियों को गाजा शहर के पश्चिमी हिस्से में शरण लेने का आदेश दिया। उसने चेतावनी भी दी कि वह "इलाके में अत्यधिक बल के साथ काम करने" की योजना बना रही है। लक्षित क्षेत्र से निकलने वाले कई फ़लस्तीनी पैदल ही निकले, कुछ ने अपना सामान अपनी पीठ पर लाद रखा था और कुछ ने खच्चर गाड़ियों का इस्तेमाल किया।

व्हाइट हाउस के दस्तावेज में भारत पर शुल्क 27 प्रतिशत से घटाकर किया गया 26 प्रतिशत

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के दस्तावेज में भारत पर लगाए जाने वाले आयात शुल्क को 27 प्रतिशत से घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया है। शुल्क नौ अप्रैल से लागू होंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को विभिन्न देशों के खिलाफ जवाबी शुल्क की घोषणा करते हुए एक चार्ट दिखाया था जिसमें भारत, चीन, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे देशों पर लगाई जाने वाली नई शुल्क दरों का उल्लेख था। चार्ट के अनुसार, भारत "मुद्रा हेरफेर और व्यापार बाधाओं" सहित 52 प्रतिशत शुल्क लेता है

और अमेरिका अब भारत से 26 प्रतिशत का रियायती जवाबी शुल्क वसूलेगा। हालांकि, व्हाइट हाउस के दस्तावेजों में भारत पर 27 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने का जिक्र था लेकिन नवीनतम अद्यतन दस्तावेज में इसे घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया गया है। इस संबंध में पूछे जाने पर उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि शुल्क के एक प्रतिशत कम होने का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

म्यांमा भूकंप : मृतकों की संख्या बढ़कर 3,145 हुई

म्यांमा में करीब एक सप्ताह पहले आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बृहस्पतिवार को बढ़कर 3,145 हो गई। देश की सैन्य सरकार ने यह जानकारी दी। सरकारी टीलीविजन एमआरटीवी के अनुसार, सूचना मंत्री माउंग माउंग ओह ने राजधानी नेपीता में एक बैठक में यह भी घोषणा की कि 4,589 लोग घायल हुए हैं और 221 अन्य लापता हैं। पिछले शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र म्यांमा के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। इससे कई इलाकों में हजारों इमारतें ढह गईं, सड़कें टूट गईं और पुल नष्ट हो गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि उसके प्रारंभिक आकलन के अनुसार, भूकंप में चार अस्पताल और एक स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया जबकि 32 अस्पताल और 18 स्वास्थ्य केंद्र आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। भारत का एक 'मोबाइल अस्पताल' और 'रूस–बेलारूस' का संयुक्त अस्पताल अब मांडले में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया के न्यायालय ने राष्ट्रपति यून सुक येओल को पद से हटाने का फैसला सुनाया

दक्षिण कोरिया के संवैधानिक न्यायालय ने महाभियोग की कार्रवाई के दायरे में लाए गए राष्ट्रपति यून सुक येओल को शुक्रवार को पद से हटाने का फैसला सुनाया। येओल पर यह कार्रवाई इसलिए की गई है क्योंकि चार माह पहले उन्होंने देश में 'मार्शल लॉ' की घोषणा करके और संसद में सेना भेजकर देश की राजनीति में तूफान ला दिया था। दक्षिण कोरिया को अब नया राष्ट्रपति चुनने के लिए दो माह के भीतर चुनाव कराना होगा। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे–म्यांग अगले राष्ट्रपति बन सकते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

थाईलैंड में चीन पर भड़क कर लाल हुए मोदी, बयान सुनकर हैरान हुई दुनिया

बिम्सटेक की बैठक में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थाईलैंड पहुंचे तो यहां इन्होंने थाईलैंड की प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। बैठक के बाद दोनों ही नेताओं की तरफ से साझा बयान भी सामने आ गया। इसी बयान देने के क्रम में पीएम नरेंद्र मोदी ने चीन का बिना नाम लिए हुए थाईलैंड की धरती से चीन पर निशाना साधा। उन्होंने चीन के विस्तारवाद की नीति को सीधे तौर पर चुनौती देते हुए कहा है कि भारत विकासवाद पर यकीन करता है, न कि विस्तारवाद पर। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत 'विस्तारवाद' के बजाय 'विकासवाद' की नीति में विश्वास रखता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृ ति और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग

को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यकीनन पीएम मोदी का ये बयान चीन को परेशान करेगा क्योंकि पीएम मोदी ने ये बयान अपने देश में न देकर बिम्सटेक की बैठक से ठीक पहले थाइलैंड की जमीन पर दिया है। थाईलैंड और चीन के रिश्ते सांस्कृतिक या फिर ट्रेड के स्तर पर बेहद ही अच्छे माने जाते हैं। ऐसे में भारत का एकतरफ चीन के विस्तारवाद पर निशाना और दूसरी तरफ थाईलैंड के साथ रक्षा–सुरक्षा व्यापार को बढ़ाना और सहयोग को और मजबूत करने का फैसला चीन को और परेशान करेगा। पीएम मोदी ने शिनावात्रा के साथ हुई बातचीत के बारे में कहा, हमने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति एवं शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया है। हमने आपसी व्यापार, निवेश और व्यवसायों के बीच आदान–प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्य उद्योग (एमएसएमई), हथकरघा और हस्तशिल्प में सहयोग के लिए भी समझौते किए गए हैं। भारत और थाईलैंड ने रणनीतिक साझेदारी की स्थापना को लेकर एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए और डिजिटल प्रौद्योगिकियों से लेकर संस्कृति तक के क्षेत्रों में पांच सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए। अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद चीन के तेवर वैसे ही इन दिनों ढीले पड़े हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि ये चीन और भारत दोनों के साझेदार बनने का सही समय है। शी जिनपिंग ने कहा है कि दोनों देशों को अपनी दोस्ती को औ मजबूत करना चाहिए। चीन के राष्ट्रपति ने कहा है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच सहयोग की बहुत बड़ी क्षमता है। सवाल ये है कि चीन का इरादा क्या है और इस बाबत भारत को क्या रुख अपनाना चाहिए? चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत को पत्र लिखा है। चीन की तरफ से भारत को कूटनीतिक संबंध के 75 वर्ष होने पर पत्र लिखा गया है। कई बार ये कहा जाता है कि चीन की कथनी और करनी में अंतर होता है। चीन की बातें मत सुनो चीन जमीन पर क्या कर रहा है, उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। दरअसल, भारत डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से निपटने के लिए एक के बाद एक कई कूटनीतिक कदम उठा रहा है।

न पानी, न खाना, 40 घंटे तक तुर्किए के एयरपोर्ट में क्यों फंसे 200 यात्री ? सामने आया वीडियो कर देगा हैरान

लंदन–मुंबई वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट में सवार 200 से ज़्यादा यात्री तुर्की के दियारबाकिर एयरपोर्ट पर लगभग 40 घंटे से फंसे हुए हैं। लंदन से मुंबई जाने वाली टैंउ58 फ्लाइट को दियारबाकिर एयरपोर्ट पर तत्काल मेडिकल डायवर्जन के कारण रद्द कर दिया गया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि लैंडिंग के बाद विमान में तकनीकी समस्या आ गई और उसकी जांच की जा रही है। फंसे हुए 200 यात्रियों में से कई भारतीय भी हैं। 2 अप्रैल को लंदन हीथ्रो से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाली वर्जिन अटलांटिक फ्लाइट (टैं358) को तत्काल चिकित्सा कारणों से तुर्की के दियारबकिर एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। एयरलाइन कंपनी के अनुसार, आवश्यक तकनीकी मंजूरी मिलने के बाद, फ्लाइट आज स्थानीय समयानुसार 12:00 बजे दियारबकिर एयरपोर्ट से मुंबई के लिए अपनी आगे की यात्रा फिर से शुरू करेगी। वर्जिन

अटलांटिक फ्लाइट के प्रवक्ता ने कहा कि अगर मंजूरी नहीं मिलती है, तो हम कल तुर्की के दूसरे एयरपोर्ट पर ग्राहकों को बस से वैकल्पिक विमान में ले जाने की योजना बना रहे हैं, ताकि वे मुंबई तक की अपनी यात्रा पूरी कर सकें। उन्होंने कहा कि इस बीच, यात्रियों को तुर्की में रात भर होटल में ठहरने और जलपान की सुविधा दी जा रही है, जबकि हम समाधान की दिशा में काम कर रहे हैं, और जैसे ही नए अपडेट उपलब्ध होंगे, हम सभी ग्राहकों को सूचित करेंगे। इस बीच, सभी फंसे हुए यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी समस्याओं को उजागर किया। उनमें से कई ने एयरपोर्ट पर इंतजार करते समय सभी फंसे हुए यात्रियों के लिए एक ही शौचालय की शिकायत की। यात्रियों में से एक ने बताया कि उन्हें एक अंक के तापमान का सामना करने के लिए कंबल नहीं दिए गए थे। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर दिखाई गई तस्वीरों में यात्री हवाई अड्डे की सीटों पर आराम करते हुए दिखाई दे रहे थे, जो व्यवधान के बाद देरी और अनिश्चितता से परेशान थे। अंकारा में भारतीय दूतावास ने यात्री को आश्वस्त करने के लिए एक्स से संपर्क किया कि वह एयरलाइन के साथ लगातार संपर्क में है।

डोनाल्ड ट्रंप ने दिए एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग से हटने के संकेत, कहा– वह जल्द ही प्रशासन छोड़ देंगे

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में बनाए गए सरकारी दक्षता विभाग से एलन मस्क जल्द ही हट सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ही इसका संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि एलन मस्क कुछ महीनों में उनके प्रशासन को छोड़ देंगे। एलन शानदार हैं, लेकिन उनके पास कई कंपनियां चलाने के लिए हैं। मैं चाहता हूं कि वे लंबे समय तक बने रहें। मगर एक समय ऐसा

आएगा जब उन्हें छोड़ना पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि विभिन्न एजेंसियों के भीतर काम जारी रहेगा। ट्रंप ने कहा कि मैं उन्हें तब तक रखूंगा जब तक मैं उन्हें रख सकता हूं। मस्क बहुत प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं। मैं चाहता हूं कि एलन यथासंभव लंबे समय तक रहें। नंबर एक, मुझे वह पसंद है, नंबर दो, वह बहुत अच्छा काम कर रहा है। नंबर तीन, वह एक देशभक्त है, इसलिए वह ऐसा कर रहा है। मस्क के जाने के बाद सचिव पूरी तरह से कार्यभार संभाल लेंगे। वहीं सरकारी दक्षता विभाग भी सक्रिय रहेगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट अधिकारियों ने मस्क के साथ मिलकर काम किया है और वे अपनी एजेंसियों में सरकारी दक्षता विभाग के कुछ लोगों को रख सकते हैं। पिछले हफ्ते ट्रंप ने कहा था कि हमें लगता है कि अगले दो–तीन महीनों में हम उन लोगों से काफ़ी संतुष्ट होंगे, जो मेहनत कर रहे हैं और प्रशासन का हिस्सा बनना चाहते हैं।इ सरकारी दक्षता विभाग के खत्म होने का मतलब यह नहीं होगा कि ट्रंप वॉशिंगटन में बदलाव लाने से रुक जाएंगे। ट्रंप प्रशासन की रणनीति अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जहां मस्क की भूमिका कम होगी। मस्क का आक्रामक रुख उन्हें प्रशासन में एक विवादित शख्स बना चुका है।

विस्कॉन्सिन चुनाव में मस्क को लगा झटका

मंगलवार को विस्कॉन्सिन में मस्क को झटका लगा। विस्कॉन्सिन के मतदाताओं ने सुप्रीम कोर्ट के लिए उनके उम्मीदवार को खारिज कर दिया। मस्क ने उम्मीदवार को समर्थन करने के लिए 21 मिलियन डॉलर का दान दिया था और साप्ताहांत में प्रचार भी किया था। अमेरिका के कुछ राज्यों में सुप्रीम कोर्ट के जजों का चुनाव होता है। इसके अलावा, उनकी इलेक्ट्रिक कंपनी टेस्ला को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिसकी बिक्री साल के पहले तीन महीनों में 13 फीसदी गिर गई।

एआई क्षेत्र में भी बढ़ रही भारत की ताकत, यूएन की रिपोर्ट में दावा- निवेश के मामले में देश का 10वां स्थान

संयुक्त राष्ट्र। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) में भारत की ताकत लगातार बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2023 में एआई में निजी तौर पर निवेश करने के मामले में भारत का 10वां स्थान है। वहीं भारत और चीन एकमात्र ऐसे विकासशील देश हैं, जिन्होंने एआई में निवेश किया है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (यूएनसीटीएडी) की प्रौद्योगिकी और नवाचार रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2024 में फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज के लिए तत्परता सूचकांक में शामिल 170 देशों में भारत 36वें स्थान पर है। 2022 में भारत इस सूचकांक में 48वें

स्थान पर था। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत, भूटान, मोरक्को, मोल्दोवा और तिमोर लेस्ते ने स्कूली शिक्षा और कार्यशील आबादी में उच्च–कौशल रोजगार के बढ़ते प्रभाव के चलते मानव पूंजी में अपनी स्थिति में सुधार किया है। रिपोर्ट के अनुसार एआई क्षेत्र में चीन, जर्मनी, भारत, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका वैज्ञानिक ताकत दिखाते हैं। ।ⁱ में निजी निवेश के मामले में 2023 में 67 अरब अमेरिकी डॉलर या निजी निवेश का 70 प्रतिशत के साथ अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। जबकि विकासशील देश चीन 7.8 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ दूसरे और 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ भारत 10वें स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2033 तक एआई का बाजार मूल्य में 4.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। एआई दुनिया भर में 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित कर सकता है। इससे उत्पादकता में तो वृद्धि होगी, लेकिन ऑटोमेशन और नौकरी के बारे में चिंताएं भी बढ़ेंगी। रिपोर्ट के अनुसार एआई यह नए उद्योग भी बना सकता है और श्रमिकों को सशक्त बना सकता है। एआई से रोजगार के अवसरों को खत्म करने के बजाय उन्हें बढ़ाने, रीस्किलिंग, अपस्किलिंग और कार्यबल अनुकूलन में निवेश करने की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजील, चीन, भारत और फिलीपींस विकासशील देश हैं जो तकनीकी तत्परता में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि उच्च प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद वाले देश अग्रणी तकनीक के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं।

फ्रंटियर टेक्नोलॉजी रेडीनेस इंडेक्स में विकसित देश आगे

संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (यूएनसीटीएडी) के फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज रेडीनेस इंडेक्स में विकसित देश आगे हैं। वहीं विकासशील देशों में यहां सिंगापुर, चीन और भारत का प्रमुख स्थान है। क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं के मामले में शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं में चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक सेवाएं हैं। जबकि सूची में सिंगापुर के साथ भारत और ब्राजील विकासशील देश हैं। ब्राजील, चीन और भारत जैसे विकासशील देशों के उदाहरण बताते हैं कि कैसे औद्योगीकरण से गरीबी को कम किया सकता सकता है और आर्थिक विकास को गति दे सकता है।

अमेरिका में सबसे ज्यादा डेवलपर

रिपोर्ट में कहा गया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे अधिक ढ़पज्भ्नइ डेवलपर हैं, उसके बाद भारत और चीन हैं। भारत में लगभग 13 मिलियन डेवलपर्स हैं और ब्राजील में चार मिलियन हैं।

इसलिए बढ़ रहा भारत का दबदबा

एआई क्षेत्र में भारत की बढ़त के पीछे सरकारी नीति की अहम भूमिका है। भारत सरकार ने निजी क्षेत्र और शिक्षा जगत के साथ मिलकर उत्कृष्टता केंद्र बनाने का काम किया है। एआई में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, कोटक भारतीय विज्ञान संस्थान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–मशीन लर्निंग सेंटर और नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन डेटा साइंस एंड एआई काम कर रहे हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार ने भारत एआई मिशन को मंजूरी दी है। जिसका उद्देश्य एआई कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए बाधाओं को कम करना और छोटे और मध्यम आकार के शहरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए तृतीयक शिक्षा में एआई पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाना है।

भूकंप का दंश झेल रहे म्यांमार की मदद को आगे आए क्वाड देश, दो करोड़ अमेरिकी डॉलर की देंगे सहायता

वॉशिंगटन/न्यूयॉर्क। भूकंप का दंश झेल रहे म्यांमार की मदद के लिए अब क्वाड देश भी आगे आए हैं। क्वाड में शामिल भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका ने म्यांमार को दो करोड़ अमेरिकी डॉलर (20 मिलियन) से अधिक की मानवीय सहायता देने का एलान किया है। क्वाड देश लगातार भूकंप से प्रभावित लोगों के लिए म्यांमार को राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं। साथ ही आपातकालीन चिकित्सा दल की तैनाती कर रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।